

एकलव्य विद्यालय के निर्माण में खामियां देख भड़कीं कलेक्टर, गुणवत्ता सुधारने के निर्देश

420 सीटर आवासीय विद्यालय के निर्माण पर उठे सवाल, पूर्व शिकायतों के बावजूद कमियां बरकरार रहने की होगी जांच

जाहिर अंसारी, सूरजपुर।
प्रतापपुर। आदिवासी विद्यार्थियों के बेहतर भविष्य के लिए बनाए जा रहे 420 सीटर एकलव्य आवासीय विद्यालय के निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर सवाल उठने लगे हैं। शनिवार, 24 अक्टूबर को कलेक्टर रेना जमील ने निर्माणाधीन विद्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान निर्माण कार्यों में कमियां सामने आने पर

उन्होंने नाराजगी जताई और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक सुधार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही निर्माण कार्य की वास्तविक स्थिति की विस्तृत रिपोर्ट जल्द प्रस्तुत करने को कहा।
प्रयोगशाला से रसोईघर तक निर्माण की जांच
निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने प्रयोगशाला, रसोईघर, शौचालय, विभिन्न कक्षों और परिसर में चल रहे अन्य निर्माण कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने भवन की फिनिशिंग और निर्माण गुणवत्ता में सुधार करने के निर्देश दिए। बताया गया कि पूर्व निरीक्षण में भी कुछ कमियां सामने आई थीं। ऐसे में इस बार कमियों के निराकरण की स्थिति की समीक्षा की

गई।
पूर्व शिकायतों के बाद भी सवाल बरकरार
स्थानीय स्तर पर निर्माण कार्य को लेकर पहले भी शिकायतें किए जाने की बात सामने आई है। इसके बावजूद यदि निर्माण में कमियां बनी हुई हैं, तो यह जांच का विषय है कि पूर्व में प्राप्त शिकायतों पर क्या कार्रवाई की गई और निर्माण कार्य की गुणवत्ता की निगरानी किस स्तर पर की गई।
प्रशासन की ओर से फ़ित्हाल कमियों का परीक्षण कर सुधार करने और विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। रिपोर्ट सामने आने के बाद ही निर्माण में पाई गई कमियों की प्रकृति, संबंधित एजेंसी



की भूमिका और जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही स्पष्ट हो सकेगी।

विद्यार्थियों की सुरक्षा से

जुड़ा है निर्माण
आवासीय विद्यालय में निर्माण की गुणवत्ता केवल भवन की फिनिशिंग तक सीमित नहीं है। विद्यार्थियों की सुरक्षा, स्वच्छता, पेयजल, रसोईघर, शौचालय और शैक्षणिक सुविधाओं का निर्धारित मानकों के अनुरूप होना आवश्यक है। निर्माण में लापरवाही भविष्य में विद्यार्थियों के लिए परेशानी का कारण बन सकती है।
420 विद्यार्थियों की क्षमता वाले इस विद्यालय से दूरस्थ ग्रामीण और वनांचल क्षेत्रों के आदिवासी बच्चों को बेहतर शिक्षा और आवासीय सुविधाएं मिलने की उम्मीद है। ऐसे में भवन का सुरक्षित, टिकाऊ और गुणवत्तापूर्ण

होना जरूरी है। निर्माण में खामियां मिलने पर सरकारी राशि के उपयोग और परियोजना की गुणवत्ता को लेकर भी सवाल खड़े होते हैं।
रिपोर्ट के बाद तय होगी जिम्मेदारी
कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को कमियों में सुधार करने और निर्माण की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए हैं। अब निर्माहें प्रशासन की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। यदि जांच में गंभीर अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं, तो नियमानुसार जिम्मेदारी तय कर कार्रवाई की जानी चाहिए। साथ ही पूर्व में की गई शिकायतों पर हुई कार्रवाई की समीक्षा भी महत्वपूर्ण होगी।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विजेंद्र पाटले, अनुविभागीय अधिकारी प्रतापपुर रमेश मोर सहित संबंधित अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे।
अब देखना होगा कि निरीक्षण के बाद निर्माण कार्य में कितना सुधार होता है और जांच रिपोर्ट में सामने आने वाली कमियों पर प्रशासन क्या कदम उठाता है। क्षेत्रवासियों को उम्मीद है कि इस महत्वपूर्ण परियोजना में गुणवत्ता से समझौता नहीं होगा और आदिवासी विद्यार्थियों को सुरक्षित एवं बेहतर सुविधाओं वाला विद्यालय भवन मिल सकेगा।

नगर उतई पार्षद और सभापति लक्ष्मीनारायण साहु ने वोट चोरी पर कांग्रेस पर साधा निशाना

कांग्रेस के कार्यकर्ताओं द्वारा बाईक रैली निकालकर क्या साबित करना चाहते हैं

BLO के निष्पक्ष और कड़ी मेहनत का परिणाम

अंचल वर्मा - दुर्ग, उतई।
जनता के गोठ।
उतई - नगर पंचायत उतई के सभापति और पार्षद लक्ष्मीनारायण साहु ने कांग्रेस के वोट चोरी का भ्रामक प्रचार पर निशाना साधते हुए कहा कि 15 साल से मैं भाजपा बूथ अध्यक्ष रहा हूं अपने अनुभव से कहना चाहता हूं कि एक झूह कितनी मेहनत और शिद्द से काम करते हुए वोटरलिस्ट को दोषरहित बनाता है, सोचकर देखिए जिन किसी भी मतदाताओं के करोड़ों नाम काट दिए गए हैं तो वे सड़कों पर उतरे क्या? क्यों नहीं उतरे?

दरअसल वास्तविकता ये है कि हमारे देश के वर्तमान विपक्षी दल और उनका इकोसिस्टम उन लाखों करोड़ों BLO के द्वारा किए गए कड़ी मेहनत का नतीजा है और उनके इस मेहनत का कांग्रेस पार्टी उन्हें ये सिला दे रहे हैं कि वे सबको चोर साबित कर रहे हैं।
चंद लोग ए.सी. रुम में बैठ कर उन्हें चोर घोषित कर रहे हैं ये उन



सभी सम्मानित झूह'र का घोर अपमान ही तो है।

उतई नगर भाजपा अध्यक्ष ने SIR पर आम जनता से किया आग्रह

लक्ष्मीनारायण साहु ने कहा कि स्थानीय भाजपाध्यक्ष और एक आम मतदाता होने के नाते मैं ये भी कहना चाहता हूं कि हमारे पूरे उतई नगर और आसपास के क्षेत्र के सभी बीएलओ भाई बहनों ने पूरी निष्ठा से दिनरात कड़ी मेहनत करते

हुए अपनी SIR की ड्यूटी पूर्ण की है।
मेरे अपने घरवालों के नाम मतदाता सूची में रखने के निमित्त मेरे अपने बूथ के झूह महोदया ने भी मुझसे कई बार संपर्क किया और हमसे एक एक पेपर लिए और इस तरह निष्ठापूर्वक कार्य करने हेतु मैं उन्हें धन्यवाद का पात्र मानते हुए उनके सहित समस्त BLO भाई बहनों का हृदय आभार व्यक्त करता हूं।
अंत में उन्होंने कहा कि जो लोग आज बाइक रैली निकालकर लोगों और आम जनता को वोट चोरी के नाम पर भ्रामक प्रचार कर रहे हैं उनका नाम आज भी मतदाता सूची में शामिल हैं, नाम उन लोगों का काटा गया है जिनके पास पूरी सुचना अर्थात पुरा दस्तावेज नहीं मिला है। कांग्रेस पार्टी , हाय वोट चोरी, हाय वोट चोरी का नाटक बंद करें, जनता जनार्दन सभी बातों को समझने के साथ जान भी गई है।

49 कवियों की आध्यात्मिक कविताओं का संकलन ‘ऋचा: एक दिव्य अनुभूति’ प्रकाशित

महासमुंद्र/जनता के गोठ।
साहित्यिक अभिरुचि एवं आध्यात्मिक चेतना को प्रोत्साहित करने की दिशा में ऋचा चंद्राकर द्वारा संपादित पुस्तक ‘ऋचा: एक दिव्य अनुभूति’ का वर्ष 2026 में प्रकाशन किया गया। इस पुस्तक में भारत के विभिन्न क्षेत्रों के 49 कवियों की स्वरचित आध्यात्मिक कविताओं का संकलन किया गया है। पुस्तक की संपादिका ऋचा चंद्राकर व सह संपादक परमानंद निषाद ने विभिन्न रचनाकारों की आध्यात्मिक काव्य-रचनाओं को एक साझा मंच पर संकलित करने का प्रयास किया है। इस संकलन के माध्यम से विविध क्षेत्रों के कवियों की रचनाओं को एक पुस्तक के रूप में पाठकों तक पहुंचाने की पहल की गई है। पुस्तक में शामिल सभी 49 कवियों को सहभागिता



प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए हैं।
'ऋचा: एक दिव्य अनुभूति' आध्यात्मिक काव्य-सृजन को प्रोत्साहित करने तथा विभिन्न रचनाकारों को साहित्यिक मंच से जोड़ने की दिशा में एक साहित्यिक पहल है।

दुर्ग पुलिस ने 32 हजार लोगों के डेटा का किया विश्लेषण, 250 से अधिक जांच के दायरे में

दुर्ग। बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान और अवैध प्रवास की जांच के लिए दुर्ग पुलिस की विशेष कार्यवाह (एसटीएफ) टीम ने विशेष अभियान चलाया है। अभियान के तहत करीब 32 हजार व्यक्तियों के स्कैन किए गए डेटा का विश्लेषण किया गया, जिसमें से 250 से अधिक व्यक्तियों को आगे की जांच के लिए चिह्नित किया गया है। इन व्यक्तियों से संबंधित जानकारी के सत्यापन और दस्तावेजीकरण के लिए एसटीएफटीम ने पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में संच और डेटा संकलन की कार्रवाई की। दुर्ग पुलिस के अनुसार, कार्रवाई के दौरान पश्चिम बंगाल के मेदिनीपुर, दक्षिण 24 परगना और मुर्शिदाबाद सहित अन्य संबंधित क्षेत्रों में जानकारी जुटाई गई। चिह्नित व्यक्तियों से संबंधित उपलब्ध दस्तावेजों और सूचनाओं का संकलन किया गया है। फ़ित्हाल प्राप्त डेटा का विस्तृत विश्लेषण और सत्यापन किया जा रहा है।

सत्यापन के बाद होगी वैधानिक कार्रवाई- पुलिस के मुताबिक, डेटा विश्लेषण के आधार पर 250 से अधिक व्यक्तियों को जांच के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। हालांकि, इन सभी के बांग्लादेशी नागरिक होने या अवैध रूप से भारत में निवास करने की पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस का कहना है कि तथ्यों और दस्तावेजों के सत्यापन के बाद ही संबंधित व्यक्तियों के संबंध में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। दुर्ग पुलिस ने बताया कि इससे पहले भी अवैध रूप से निवासरत एक बांग्लादेशी नागरिक के खिलाफ कार्रवाई कर उसे डिपोर्ट किया जा चुका है। पुलिस उपलब्ध सूचनाओं और तकनीकी डेटा के आधार पर ऐसे मामलों की निगरानी और जांच कर रही है।

भोपालपटनम के तिमेड़ में निजी जमीन पर क्लब निर्माण चर्चा में, लीज और अनुमति की जांच की मांग

प्रेम कुमार दुर्गम जिला ब्यूरो प्रमुख बीजापुर बस्तर बीजापुर। नक्सलवाद से प्रभावित बस्तर में शांति और विकास की उम्मीदों के बीच भोपालपटनम क्षेत्र के सीमावर्ती गांव तिमेड़ में निजी जमीन पर निर्माणाधीन क्लब को लेकर सियासी विवाद गहराता जा रहा है। कथित मिनी कैसीनो और जुआ घर की आशंकाओं के बीच कांग्रेस विधायक विक्रम मंडावी और भाजपा नेता श्रीनिवास मुदलियार ने अपनी-अपनी प्रतिक्रिया दी है। वहीं, अब जमीन की लीज, निर्माण की अनुमति, निवेशकों और प्रस्तावित क्लब के वास्तविक उद्देश्य को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कुछ रसूखदार लोगों ने इस जमीन को लीज पर लिया है। सूत्रों के हवाले से यह भी दावा किया जा रहा है कि इस मामले में तिमेड़ क्षेत्र के एक भाजपा नेता की भूमिका को लेकर बाजार में चर्चाएं हैं। हालांकि, इन दावों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और न ही किसी अनुबोध या दस्तावेज के आधार पर



किसी की भूमिका स्पष्ट हुई है। ऐसे में पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाना जरूरी है।
जमीन की लीज और पंचायत की अनुमति से खुल सकता है राज- इस मामले में सबसे अहम सवाल जमीन के स्वामित्व और लीज अनुबंध को लेकर है। यदि जमीन निजी है, तो जमीन मालिक और लीज लेने वालों के बीच हुए अनुबंध की शर्तों से यह स्पष्ट हो सकता है कि जमीन किस उद्देश्य से दी गई है। साथ ही निर्माण की प्रकृति और संबंधित विभागों से प्राप्त अनुमतियों की जांच भी जरूरी है। पंचायत स्तर पर

लागू नियमों के अनुसार आवश्यक अनुमति या अनापत्ति ली गई है या नहीं, इसकी भी पड़ताल होनी चाहिए। फ़ित्हाल कथित कैसीनो या जुआ घर के संचालन की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इसलिए केवल चर्चाओं के आधार पर किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल की भूमिका तय करना उचित नहीं होगा। अब सवाल यह है कि प्रशासन निर्माणाधीन भवन और उससे जुड़े दस्तावेजों की जांच कब करेगा तथा प्रस्तावित क्लब के वास्तविक उद्देश्य पर स्थिति कब स्पष्ट करेगा। निष्पक्ष जांच से ही आरोपों, आशंकाओं और चर्चाओं की सच्चाई सामने आ सकेगी।

वोट चोरी के आरोपों पर कांग्रेस का हमला, मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग

पूर्व विधायक चंदन कश्यप बोले—वोट चोरी व्यापक मुद्दा, स्फ़ुरकसमस्या का केवल एक हिस्सा; देवचंद मतलाम ने चुनावी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने की उठाई मांग

ओमप्रकाश राजक/जनता के गोठ
जगदलपुर। कांग्रेस के ‘वोट बचाओ, देश बचाओ’ अभियान के तहत रविवार को संभाग मुख्यालय जगदलपुर स्थित राजीव भवन में प्रेसवार्ता आयोजित की गई। इसमें नारायणपुर के पूर्व विधायक चंदन कश्यप और पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मतलाम ने केंद्र सरकार तथा चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे और कथित चुनावी अनियमितताओं की स्वतंत्र एवं समयबद्ध जांच कराने की मांग की।
प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक चंदन कश्यप ने कहा कि वोट चोरी का मुद्दा केवल मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (स्ट्रक़) तक सीमित नहीं है। कांग्रेस लंबे समय से मतदाता सूचियों में नाम जोड़ने और हटाने, दोहरे पंजीकरण, चुनावी आंकड़ों की पारदर्शिता तथा धड़क़ू और झूझूझ की कार्यप्रणाली को लेकर सवाल उठाती रही है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि



प्रत्येक पात्र नागरिक अपने मताधिकार का इस्तेमाल कर सके और चुनाव निष्पक्ष तरीके से संपन्न हों। कश्यप ने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने विभिन्न चुनावों के दौरान मतदाता सूचियों से जुड़ी कथित विसंगतियों को सामने रखते हुए पारदर्शी आंकड़े सार्वजनिक करने की मांग की है। महाराष्ट्र, कर्नाटक के महादेवपुरा और आलंद विधानसभा क्षेत्रों तथा हरियाणा में मतदाता सूची को लेकर उठाए गए सवाल इसी व्यापक मुद्दे का हिस्सा हैं। कांग्रेस का आरोप है कि मतदाता सूची में सदिध प्रविष्टियों, दोहरे पंजीकरण और नाम जोड़ने का प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों और

आरोपों की स्वतंत्र जांच होनी चाहिए, ताकि वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सके। मतदाता सूची से जुड़े आंकड़े राजनीतिक दलों को सरल और उपयोगी डिजिटल प्रारूप में उपलब्ध कराए जाने चाहिए, जिससे उनका स्वतंत्र सत्यापन किया जा सके। मतदाताओं के नाम हटाने की प्रक्रिया पारदर्शी होनी चाहिए और प्रभावित नागरिकों को अपना पक्ष रखने तथा अपील करने का पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष देवचंद मतलाम ने कहा कि चुनावी प्रक्रिया में प्रत्येक वोट की सुरक्षा जरूरी है। चुनाव आयोग को अपनी कार्यप्रणाली में पारदर्शिता सुनिश्चित करनी चाहिए, ताकि जनता का लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास बना रहे।

सदिध प्रविष्टियों और प्रभावित मतदाताओं से जुड़ी शिकायतों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा, ताकि संबंधित मामलों को उचित मंच पर उठया जा सके कांग्रेस नेताओं ने मतदाता सूची से कथित तौर पर हटाए गए नामों की स्वतंत्रता और विसंगतियों की स्वतंत्र जांच और प्रभावित मतदाताओं को न्याय दिलाने की मांग की। पार्टी ने मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे, स्ट्रक़ प्रक्रिया पर पुनर्विचार तथा चुनाव आयोग की निष्पक्ष व्यवस्था और कानूनी संरक्षण से जुड़े प्रावधानों की समीक्षा की मांग भी दोहराई। नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र में मतदाता का विश्वास सर्वोपरि है और चुनावी प्रक्रिया से जुड़े प्रत्येक सवाल का जवाब पारदर्शिता के साथ दिया जाना चाहिए प्रेसवार्ता में शहर जिला कांग्रेस अध्यक्ष सुशील मोर्य, ग्रामीण जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रेमशंकर शुक्ला, पूर्व विधायक रेखचंद जैन, महामंत्री अभिषेक नायडू, सुभाष गुलाटी, रविशंकर तिवारी, ब्लॉक अध्यक्ष बलराम यादव, बालेश दुबे, सुनीता सिंह सहित अन्य कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संपादकीय

विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल

संयुक्त राष्ट्र अपनी महता और विश्वसनीयता किस तरह खो रहा है, इसका ताजा प्रमाण है उसके मानवाधिकार और आतंकवाद-रोधी मामलों के विशेष प्रतिवेदक बेन साल की रिपोर्ट में यह कहा जाना कि आतंकी सरगना दाऊद इब्राहिम का गिरोह भारत आधारित है। इस पर हैरानी नहीं कि इस कारण उसे भारत की फटकार सुननी पड़ी। अपनी इस फजीहत के लिए संयुक्त राष्ट्र स्वयं के ऐतिरिक्त अन्य किसी को दोष नहीं दे सकता। दाऊद इब्राहिम के बारे में ऐसी भ्रामक और नितान्त झूठी जानकारी संयुक्त राष्ट्र के कामकाज के तरीकों पर गंभीर प्रश्न खड़े करती है। समझना कठिन है कि आतंकी सरगना के रूप में दुनिया भर में कुख्यात दाऊद को लेकर संयुक्त राष्ट्र के प्रतिवेदक इस नतीजे पर कैसे पहुंच गए कि वह भारत में सक्रिय है, जबकि पिछले कई दशकों से वह पाकिस्तान में रह रहा है। भारत समय-समय पर इसके प्रमाण भी उपलब्ध कराता रहा है। इसके अतिरिक्त अमेरिका ने 2023 में दाऊद को वैश्विक आतंकी नामित किया था और उस पर इनाम भी रखा था। अमेरिका का यह भी निक्षर्ष था कि वह कराची में छिपा है। यही भारत कहता रहा है। दाऊद इब्राहिम को भारत आधारित गिरोह बताने वाली रिपोर्ट आस्ट्रेलिया के प्रोफेसर बेन साल के नेतृत्व में तैयार हुई है। संभव है कि इसे तैयार करने में उन लोगों का भी हाथ हो, जो भारत के प्रति दुराग्रह से ग्रस्त हैं। वैसे खुद बेन साल की विश्वसनीयता भी संक्रिय है। एक रिपोर्ट के अनुसार उनके कार्यालय को चीन से भारी-भरकम राशि मिली थी। इसके बाद बेन साल ने चीन में उड़गर मुसलमानों के अत्याचारों पर बयान जारी करने से इन्कार कर दिया था। संयुक्त राष्ट्र के आतंकवाद-रोधी मामलों को देखने वालों की ओर से दाऊद के बारे में शरारतपूर्ण रिपोर्ट तैयार किए जाने से यही लगता है कि आतंके के मामले में उन्होंने कामचलाऊ रवैया अपना रखा है। शायद इसका कारण संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न एजेंसियों में पाकिस्तान जैसे कई ऐसे देशों का सक्रिय होना भी है, जो खुले-छिपे रूप से आतंक की पैरवी करते हैं और यह किसी से छिपा नहीं कि चीन किस तरह उसे भारत के खिलाफ अपना मोहरा बनाए हुए है।

आज का राशिफल

मेघ- आज के दिन आपके अंदर आध्यात्मिक ऊर्जा का संचार होगा भक्ति भावों में डूबे रहेंगे। कार्य व्यवसाय से आज ज्यादा उम्मीद ना रखें थोड़ा बहुत व्यवसाय ही रहने से धन की आमद भी सीमित रहेगी। वृष –आज का दिन सामान्य से उत्तम रहेगा। दिन के आरम्भ से ही आध्यात्म में रुचि रहेगी घरेलू पूजा पाठ के साथ धार्मिक क्षेत्र की यात्रा के अवसर भी मिलेंगे।

मिथुन- आज के दिन आपका स्वभाव स्वयं के दृष्टिकोण से ठीक लेकिन अन्य लोगों की नजर में अटपटा सा लगेगा। किसी से भी जल्दबाजी में वादा करेंगे लेकिन पूरा करने के समय बगलें झांकते नजर आएंगे। कर्क- आज आपका स्वभाव मनमौजी रहेगा अपने मे मस्त रहेंगे आदर्शवाद काफ़ी को भी मजबूरी में करेंगे अपना टालने के ही प्रयास करेंगे जिससे घर के सदस्यों के साथ मन मुटाव होगा।

सिंह- आज का दिन आपको किसी न किसी रूप में धन का हास कराएगा। कार्य क्षेत्र हो या किसी से व्यक्तिगत संबंध आज किसी के ऊपर भी आँख बंद कर विश्वास ना करें अन्धथा पछताना पड़ेगा।

कन्या – आज के दिन आपको लाभ के अवसर मिलेंगे लेकिन आपका स्वभाव अकस्मात गर्म होने पर इससे वंचित भी रह सकते है इसका ध्यान रखें। बड़े कार्यों का अधिक देख भाल कर ही करें।

तुला – आज के दिन आप असमंजस की स्थिति में रहेंगे। दिन के आरम्भ में थोड़ी सुस्ती रहेगी लेकिन मध्यान तक कार्यों के प्रति गंभीर हो जाएंगे। थोड़ा धैर्य रख दिमाग से काम ले तो सफलता अवश्य मिलेगी। वृश्चिक –आज के दिन आपकी धार्मिक भावनाएं प्रबल रहेगी। दिन के आरंभ में पूजा पाठ के लिये समय देंगे लेकिन आज मन कही और ही भटकने के कारण मानसिक शांति और एकाग्रता कम रहेगी।

धनु – आज का दिन शारीरिक दृष्टिकोण से बीते कुछ दिनों की तुलना में बेहतर रहेगा बुस्ती की कभी दिन के आरम्भ में रहेगी लेकिन मध्यान बाद से सामान्यता आने लगेगी।

मकर – बीते दिन की तुलना में आज का दिन शांतिदायक रहेगा फिर भी पुरानी बातों को भूलने का प्रयास कर नई योजना बनाने में समय का उपयोग करे आगे समय धन लाभ वाला बन रहा है।

कुंभ – आज का दिन मिला जुला फल देने वाला रहेगा। दिन के आरम्भ में जो भी योजना बनाएंगे परिस्थितिवश उसमे बदलाव करना पड़ेगा। आज भाई बंधुओ से आर्थिक लेनदेन करना पड़ेगा।

मीन – आज के दिन आप प्रत्येक कार्य मे सुदृढ विवेक का परिचय देंगे लेकिन आज व्यक्तिगत स्वार्थ को एक समय नज़रअंदाज भी कर लेंगे परन्तु व्यावसायिक स्वार्थ की बात आने पर आपा खो सकते है।

वोट चोरी का शिगूणा

वोट चोरी के विपक्षी दलों के दुष्प्रचार की काट के लिए भाजपा ने राष्ट्रव्यापी अभियान छेड़ने का जो निर्णय लिया, वह उचित ही है, क्योंकि इस दुष्प्रचार के तहत यह भी अफवाह फैलाई जा रही है कि चुनाव आयोग भाजपा के इशारे पर काम कर रहा है और उसे चुनावी लाभ प्रदान कर रहा है। अच्छा होता कि भाजपा की ओर से ऐसा कोई अभियान पहले ही छेड़ा जाता। चूँकि इस काम में देर हुई, इसलिए अब उसे यह सुनिश्चित करना होगा कि उसके साथ सवैधानिक संस्था चुनाव आयोग को संकीर्ण राजनीतिक कारणों से बदनाम करने के विपक्षी दलों के दुष्प्रचार का प्रतिकार प्रभावी तरीके से हो। उसे अपनी बात पुष्ट प्रमाणों और अकाट्य तर्कों के साथ रखनी होगी। इस क्रम में उन झूठे आरोपों की पोल भी खोलनी होगी, जिनकी आड़ में यह माहौल बनाया जा रहा है कि विपक्षी दलों के समर्थकों के नाम वोटरलिस्ट से जानबूझकर बाहर किए जा रहे हैं। हालांकि बिहार में मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर के समय ही यह स्पष्ट हो गया था कि विपक्षी दलों के आरोपों में कोई सच नहीं, लेकिन खीझ में आकर ये इस उक्ति को चरितार्थ करने में जुट गए कि किसी झूठ को सीं बार दोहराया जाए तो वह सच लगने लगता है। वास्तव में वोट चोरी के शिगुफे के पीछे विपक्ष ने इसी उक्ति को अपना हथियार बना लिया है।

एक ओर जहां एक राजनीतिक दल के रूप में भाजपा को अपने हिस्से का काम करना होगा, वहीं चुनाव आयोग को भी सक्रिय होना होगा, क्योंकि एसआईआर के समय उसकी ओर से नोटिस जारी कर लोगों से जो आवश्यक जानकारी या प्रमाणपत्र मांगे जाते हैं, उसके आधार पर ही यह शोर मचाया जा रहा है कि वोट चोरी हो रही है। इस नोटिस में केवल यह लिखा होता है, ‘आपने गणना प्रपत्र में अपने या स्वजनों के बारे में वांछित जानकारी नहीं भरी या फिर उसका मिलान नहीं हो पा रहा है। आपका नाम वोटर लिस्ट में दर्ज हो सके, इसके लिए इस तिथि तक अमुक दस्तावेज भेज दें। किसी कठिनाई पर बीएलओ से संपर्क करें।’ अनेक लोगों को ऐसे नोटिस मिले और उन्होंने आवश्यक दस्तावेज जमाकर अपने नाम वोटर लिस्ट में शामिल कराए। जिन्होंने ऐसा नहीं किया, बीएलओ ने उनसे खुद संपर्क किया। इसके बाद भी लोगों को वोटरलिस्ट में नाम जुड़वाने का अवसर दिया जाता है। विपक्ष इसी नोटिस के आधार पर वोट चोरी का शोर मचाकर मुख्य चुनाव आयुक्त का त्यागपत्र तो मांग रहा, लेकिन यह नहीं बता रहा कि आखिर किसके दलों के अधीन काम करने वाले बीएलओ यह कैसे जान सकते हैं कि कौन वोटर किस दल को वोट देता है? जब ऐसा संभव ही नहीं तो फिर इसे कोरे झूठ के अलावा और क्या कहा जा सकता है कि चुनाव आयोग विपक्ष को वोट देने वालों के नाम काट रहा है?

कांग्रेस का फेल प्रोडक्ट और मोदी का दर्द

- राकेश अचल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सपनों में राहुल गांधी का आना-जाना मुकम्मल तौर पर जारी है,इसका सबूत मोदीजी ने गुरुवार को नई दिल्ली में एनडीटीवी वर्ल्ड समिट 2026 में खुद दिया.मोदीजी ने कहा कि दुनिया जहां नए ऑर्डर की तलाश में है वहीं कुछ लोग भारत में डिसऑर्डर के सपने देख रहे हैं,कुछ लोग दुनिया में जाकर भारत को बदनाम कर रहे हैं.

मोदी जी की कांग्रेस को लेकर जो चिंता है उसे समझने से पहले आपको एनडीटीवी के मंच के बारे मे में समझना पड़ेगा.क्योंकि इस मंच से मोदी जी ने दुनिया की मौजूदा राजनीति, अर्थव्यवस्था, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और भारत की भूमिका पर बात की है.

आपको बता दूँ कि एनडीटीवी आजकल गौतम अडानी का मंच है.हालांकि इसकी स्थापना 1988 में प्रणय रॉय और राधिका रॉय ने की थी। 2022 में अडानी ग्रुप ने एएमजी मीडिया नेटवर्क लिमिटेड के जरिये इसे खरीद लिया.ये कंपनी अडानी इंटरप्राइजेज की सहायक कंपनी है.जाहिर है कि अब एनडीटीवी जनता के मन की नहीं बल्कि प्रधानमंत्री मोदीजी के मन की बात करता है.

मोदी ने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि- ’ पता नहीं कब तक कांग्रेस अपने फेल प्रोडक्ट की लॉन्चिंग के लिए देश को दांव पर लगाती रहेगी.’राहुल गाँधी को लेकर मोदीजी की चिंता स्वाभाविक है.क्योंकि एक राहुल गाँधी ही हैं जो हर बार मोदीजी को या तो नींद से जगा देते हैं,या

डिजिटल बैंकिंग में भरोसे का संकट

डॉ. व्रजेश कुमार तिवारी

भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के लगभग चार हजार ग्राहकों की निजी जानकारी जैसे कि नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि, ईमेल, आवासीय पता, ग्राहक पहचान संख्या और ऋण से जुड़े विवरण डाक वेब पर सामने आने की खबर ने देश की बैंकिंग व्यवस्था के सामने एक गंभीर सवाल खड़ा कर दिया है। जिस बैंक पर करोड़ों लोग अपनी जीवनभर की बचत के लिए भरोसा करते हैं, यदि उसके ग्राहकों की व्यक्तिगत जानकारी सुरक्षित नहीं रह पाती तो डिजिटल बैंकिंग पर लोगों का विश्वास कैसे बना रहेगा?

यह घटना केवल तकनीकी सुरक्षा से जुड़ा मामला नहीं है। इसका सीधा संबंध ग्राहकों की गोपनीयता, वित्तीय सुरक्षा और बैंकों की जवाबदेही से है। व्यक्तिगत जानकारी का दुरुपयोग भविष्य में वित्तीय धोखाधड़ी का कारण बन सकता है। किसी साइबर अपराधी के पास ग्राहक का नाम, मोबाइल नंबर, जन्मतिथि और ऋण आवेदन का विवरण हो तो वह बैंक अधिकारी बनकर विश्वास हासिल करने का प्रयास कर सकता है। वह ग्राहक को ऋण स्वीकृति, केवाईसी अपडेट या खाते की सुरक्षा के नाम पर धोखा दे सकता है। इस प्रकार निजी जानकारी की चोरी आर्थिक नुकसान का रास्ता खोल सकती है।

आज बैंक केवल जमा और ऋण देने वाले संस्थान नहीं रह गए हैं। उनके पास ग्राहकों की आय, संपत्ति, व्यवसाय, पारिवारिक विवरण, लेनदेन और वित्तीय व्यवहार से जुड़ी व्यापक जानकारी रहती है। यह जानकारी बैंकिंग सेवाओं को सुविधाजनक बनाती है, लेकिन इसके गलत



उनका हर ख्वाब तोड़ देते हैं.राहुल ने ही मोदीजी को 2024 में 400 पार करने से रोक दिया था.इस समय भी राहुल ही हैं जो पूरे देश में मोदीजी का यानि भाजपा के अश्वमेध यज्ञ की सबसे बड़ीऔर खड़ी बाधा हैं.

राहुल गाँधी कांग्रेस का फेल प्राडक्ट हैं या नहीं ये में तो नहीं जानता लेकिन माननीय मोदीजी जानते हैं,क्योंकि राहुल गांधी की वजह से ही मोदी को

अपने परम प्रिय धर्मेंद्र प्रधान को मंत्रिमंडल से तख्तिया करने पडा और अब केंचुआ ज्ञानेश कुमार राहुल की वजह से फडफडा रहे हैं मेरी अपनी धारणा है कि यदि देश की सियासत में कांग्रेस का ये फेल प्रोडक्ट न होता तो भाजपा का,संच का देश को कांग्रेस विहीन करने का ख्वाब कभी का पूरा हो जाता.राहुल की वजह से ही माननीय मोदी जी अखिल ब्रम्हांड के नायक नहीं

बन पा रहे हैं.दक्षिण भारत में उनके पैर नही जम पा रहे हैं जबकि इसी फेल ब्रांड की वजह से केरलम में कांग्रेस की सत्ता में वापसी हो चुकी है.

एक उदाहरण देता हूँ कि जैसे देश में अब खजूर छाप डालडा अब कहीं नजर नहीं आता लेकिन आज भी एक पीढी ऐसी है जो हर रिफाईंड तेल को डालडा ही कहती है.इसी तरह आज विपक्ष में संसद से लेकर सडक तक राहुल ही राहुल छाप हुए हैं.राहुल देश में रहें या विदेश में लेकिन हिंदुस्तान की पहचान हैं.इसकी वजह उनके साथ बाबस्ता एक विरासत भी है.

कायदे से मोदी जी को कांग्रेस के नहीं बल्कि अपने प्रोडक्ट की फिक्र करना चाहिए.जो न काश्मीर में चला और न केरलम में.कर्नाटक ने भी मोदी ब्रांड को ठुकरा दिया.मणिपुर में भी मोदीजी घुसने का साहस आजतक जुटा नहीं सके.

चुनावी राजनीति में भी कांग्रेस के इस फेल ब्रांड ने मोदीजी के न चाहते हुए लोकसभा में विपक्ष का नेता पद हथिया लिया परिसीमन विधे पारित नहीं होने दिया.फिर भी मोदीजी की दृष्टि में यदि राहुल गाँधी यदि कांग्रेस का फेल प्रोडक्ट हैं तो कोई क्या कर सकता है? राहुल गाँधी जैसे फेल प्रोडक्ट की चर्चा मोदीजी को बार- बार करना पडती है.ये जरूरी है या मजबूरी मोदीजी ही जानें.मुझे तो इतना पता है कि कांग्रेस ये फेल प्रोडक्ट ही है जो देश में लोकतंत्र की अलख जगाने में फिलहाल कामयाब दिखाई देता है.ये ही फेल ब्रांड है जो सत्ताप्रतिष्ठान की नींद में,मनमानी में खलल डाले हुए हैं.

बदल रही युवाओं के करियर की दिशा

डॉ. रोहित यादव पिछले कुछ वर्षों में इंजीनियरिंग की दुनिया में यह धारणा लगभग स्थापित हो गई थी कि अच्छे अंक हासिल करने वाले छात्रों की पहली पसंद कंप्यूटर साइंस होगी। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), कोडिंग और आइटी क्षेत्र के तेज विस्तार ने सिल्विल, मैकेनिकल और इलेक्ट्रिकल जैसी पारंपरिक शाखाओं को धीरे-धीरे पीछे धकेल दिया था, पर अब तस्वीर बदलती दिखाई दे रही है।

भारत में बुनियादी ढांचे के विस्तार और सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक उद्योगों में बढ़ते निवेश ने युवाओं के करियर विकल्पों को नई दिशा देना शुरू कर दिया है। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और भारत सेमीकंडक्टर उद्योगों में बढ़ते निवेश ने युवाओं के करियर विकल्पों को नई दिशा देना शुरू कर दिया है। पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान और भारत सेमीकंडक्टर इसकी है कि नियामकीय रीपोर्টিंग के साथ प्रभावित ग्राहक को भी समय रहते उपयोगी जानकारी मिले।

सबसे पहला सुधार ग्राहकों की सूचना देने की व्यवस्था में होना चाहिए। प्रत्येक बैंक को संभावित डाटा उल्लंघन की पुष्टि होने पर प्रभावित ग्राहकों को व्यक्तिगत रूप से सूचित करना चाहिए। उन्हें बताया जाए कि इससे क्या खतरा हो सकता है और ग्राहक को किन सावधानियों की आवश्यकता है। स्वतंत्र साइबर सुरक्षा परीक्षण होना चाहिए। बैंक नियमित रूप से बाहरी विशेषज्ञों से अपने डिजिटल सिस्टम की जांच कराएं।

संवेदनशील जानकारी को सुरक्षित तकनीक से संरक्षित किया जाए और कर्मचारियों एवं सेवा प्रदाताओं को केवल आवश्यक डाटा तक ही पहुंच मिले। ऋण आवेदन और डिजिटल केवाईसी से जुड़े रिकार्ड के उपयोग, संग्रहण और निस्तारण की स्पष्ट नीति होनी चाहिए। किसी बाहरी एजेंसी की सुरक्षा में कमजोरी पाए जाने पर उसकी जिम्मेदारी भी तय हो।

संयुक्त राष्ट्र की साख पर सवाल, सुधार से ही बचेगी प्रतिष्ठा

मानवाधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के विशेष प्रतिवेदक बेन साल की रिपोर्ट में डी-कंपनी को 'भारत आधारित' अपराधिक गिरोह बताया गया। भारत ने 21 अक्टूबर 2026 को संयुक्त राष्ट्र महासभा की तीसरी समिति में इस विवरण पर कड़ी आपत्ति जताते हुए इसे तथ्यात्मक रूप से गलत और संगठन की स्थायी सदस्यता और वीटो व्यवस्था के विपक्ष सुधार नहीं हो पाया है। दुनिया की वर्तमान राजनीतिक, आर्थिक और जन्सांख्यिकीय वास्तविकताओं को प्रतिबिंबित करने वाली व्यवस्था के बिना संयुक्त राष्ट्र को अधिक लोकतांत्रिक और प्रतिनिधित्व बनाना कठिन है। आतंकवाद के विरुद्ध साझा रणनीति, युद्धविरोध की प्रभावी व्यवस्था, मानवीय सहायता की निर्बाध उपलब्धता और अंतरराष्ट्रीय कानून के समान अनुपालन को भी प्राथमिकता देनी होगी। संयुक्त राष्ट्र दिवस पर आत्ममंथन का वास्तविक अर्थ केवल उसकी उपलब्धियों का गुणगान करना नहीं, बल्कि उसकी कमियों को स्वीकार कर सुधार का संकल्प लेना है। संगठन को अपने नियमों में पारदर्शिता, रिपोर्टों में तथ्यात्मक शुद्धता, अधिकारियों की जवाबदेही और सभी देशों के प्रति निष्पक्षता सुनिश्चित करनी होगी। वीटो अधिकार के दुरुपयोग पर अंकुश लगाने, सुरक्षा परिषद के विस्तार और आतंकवाद के विरुद्ध दोहरे मानदंड समाप्त करने की दिशा में ठोस पहल करनी होगी।



में अपेक्षित सफलता प्राप्त कर पाया है? आज का अनुभव इस प्रश्न का संतोषजनक उत्तर नहीं देता। संयुक्त राष्ट्र की सबसे बड़ी कमजोरी उसकी सुरक्षा परिषद की संरचना में दिखाई देती है। अमेरिका, रूस, चीन, फ्रांस और ब्रिटेन को प्राप्त वीटो अधिकार कई बार वैश्विक शांति से अधिक उनके राष्ट्रीय हितों की रक्षा का माध्यम बन जाता है। जब किसी युद्ध या मानवीय त्रासदी पर प्रभावी निर्णय भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के कारण रुक जाता है, तब संयुक्त राष्ट्र की घोषणाएं और अपीलें अपनी नैतिक शक्ति खोने लगती हैं। गाजा, यूक्रेन और सीरिया जैसे संघर्षों ने यह प्रश्न तीखा किया है कि क्या विश्व शांति का दायित्व निभाने वाला संगठन वास्तव में निर्णायक भूमिका निभाने में सक्षम है? विडंबना यह है कि दुनिया बदल गई, लेकिन संयुक्त राष्ट्र की निर्णय व्यवस्था काफी दृढ़ तक उसी पुराने शक्ति-संतुलन में बंधी हुई है। संयुक्त राष्ट्र की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों का ताजा उदाहरण दाऊद इब्राहिम और उसके गिरोह डी-कंपनी से जुड़ा विवाद है। आतंकवाद और

साख को नुकसान पहुंचाने वाला बताया। भारतीय प्रतिनिधि रघु पुरी ने दाऊद के आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े इतिहास और संयुक्त राष्ट्र की प्रतिबंध सूची में दर्ज तथ्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि दाऊद भारत में वांछित अपराधी है और भारत के अनुसार पाकिस्तान में रह रहा है। यह प्रकरण इसलिए गंभीर है कि आतंकवाद जैसे संवेदनशील विषय पर तथ्यात्मक शुद्धता और निष्पक्षता सर्वोपरि होनी चाहिए। किसी आतंकवादी गिरोह की भौगोलिक पहचान को लेकर गलत या अधूरी जानकारी सामने आना केवल एक रिपोर्ट की त्रुटि नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद विरोधी प्रयासों की विश्वसनीयता का प्रश्न है। हालांकि किसी एक रिपोर्ट की गलती से पूरे संगठन के प्रत्येक कार्य को खारिज नहीं किया जा सकता, लेकिन ऐसी त्रुटियों की जांच, सुधार और जवाबदेही सुनिश्चित करना आवश्यक है। विशेष प्रतिवेदकों की स्वतंत्रता महत्वपूर्ण है, किंतु स्वतंत्रता का अर्थ अस्थायी और उत्तरदायित्व से मुक्त होना नहीं है। इसी प्रकार मानवाधिकारों के मामलों में

संक्षिप्त समाचार

ईरान के खिलाफ युद्ध से तेल महंगा हुआ, परमाणु हथियार हासिल करने से रोकना था जरूरी : ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने माना कि ईरान के साथ चल रहे युद्ध की वजह से तेल की कीमतें बढ़ी हैं और इससे अमेरिकी परिवारों पर आर्थिक बोझ पड़ा है। हालांकि उन्होंने कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने से रोकने के लिए यह कीमत चुकाना जरूरी था। पलोरिडा के टीवी चैनल को दिए इंटरव्यू में ट्रंप ने कहा कि जब उन्होंने ईरान के खिलाफ सैन्य कार्रवाई का फैसला लिया था, तब उन्हें पहले से अंदाजा था कि ऊर्जा की कीमतें बढ़ सकती हैं। फिर भी उनका कहना था कि यह संघर्ष जल्द खत्म होगा और पेट्रोल की कीमतें तेजी से नीचे आएंगी। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब तीन नवंबर को होने वाले मिडटर्म चुनावों की तैयारी चल रही है। बढ़ती महंगाई और जीवनयापन की लागत अमेरिकी मतदाताओं के लिए एक बड़ा मुद्दा बनी हुई है जबकि रिपब्लिकन पार्टी कांग्रेस पर अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रही है। जब उनसे पूछा गया कि बढ़ती कीमतों का बोझ आम लोगों पर पड़ रहा है, तो ट्रंप ने कहा, ‘ ईरान जैसे बहुत बुरे देश से परमाणु हथियार छीनने के लिए यह एक छोटी सी कीमत है।’ वहीं ‘के-टीवी की एंकर वलेयर गैल्ट ने इंटरव्यू के दौरान बताया कि अमेरिकी लोग अभी भी महंगे किराने के सामान से जूझ रहे हैं और दक्षिण-पश्चिम पलोरिडा में पेट्रोल की औसत कीमत 4.18 डॉलर प्रति गैलन तक पहुंच गई है। इस पर ट्रंप ने माना कि बीफ की कीमतें अब भी ऊंची हैं और तेल की कीमतें भी युद्ध की वजह से बढ़ी हैं। उन्होंने कहा, ‘ बीफ की कीमतें थोड़ी ज्यादा हैं लेकिन वे नीचे आ रही हैं।’ साथ ही उन्होंने जोड़ा कि पशुपालन और उत्पादन की प्रक्रिया में समय लगता है, इसलिए कीमतों को सामान्य होने में थोड़ा वक़्त लग सकता है। ऊर्जा की कीमतों पर बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि उन्हें पहले से पता था कि तेल महंगा होगा लेकिन उनका मुताबिक सैन्य कार्रवाई से बचा नहीं जा सकता था। उन्होंने कहा कि कीमतें पहले काफी कम थीं और मुझे पता था कि ऐसा होगा लेकिन यह एक फैसला था जो लेना जरूरी था। ट्रंप ने दोहराया कि ईरान परमाणु हथियार हासिल नहीं कर सकता क्योंकि वह दुनिया में आतंकवाद को समर्थन देने वाले सबसे बड़े देशों में से एक है। उन्होंने कहा कि? ईरान के पास परमाणु हथियार नहीं होने चाहिए। ईरान परमाणु हथियार नहीं रख सकता। इसलिए मुझे यह कदम उठाने पर मजबूर है। हालांकि ट्रंप ने युद्ध खत्म होने की कोई निश्चित समयसीमा नहीं बताई, लेकिन उन्होंने कहा कि संघर्ष जल्द समाप्त हो सकता है उन्होंने कहा कि? मुझे लगता है कि यह जल्द खत्म होगा। किसी संवेज्ञौते के जरिए या किसी और तरीके से, लेकिन यह खत्म होगा। उनके इस बयान से यह संकेत मिला कि बातचीत के अलावा आगे और सैन्य कार्रवाई की संभावना भी बनी रह सकती है। वहीं प्रशासन अमेरिकी लोगों को यह भरोसा दिलाने की कोशिश कर रहा है कि युद्ध के आर्थिक असर लंबे समय तक नहीं रहेंगे।

हूती विद्रोहियों के खिलाफ सैन्य संघर्ष से तुर्की का इनकार

अंकारा, एजेंसी। रियाद। तुर्की ने स्पष्ट किया है कि उसका यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ किसी भी प्रकार के सीधे सैन्य संघर्ष में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है। सऊदी अरब और पाकिस्तान के साथ हुए त्रिपक्षीय ‘मक्का संयुक्त रक्षा समझौते’ के बावजूद तुर्की द्वारा हूतियों के खिलाफ सीधी सैन्य कार्रवाई से दूरी बनाए रखने के इस फैसले को पश्चिम एशिया की भू-राजनीति में बेहद अहम माना जा रहा है। ‘ हूतियों के साथ किसी संघर्ष का विचार नहीं ’: रक्षा मंत्री याशर गुलेर एक टीवी चैनल को दिए साक्षात्कार में तुर्की के रक्षा मंत्री याशर गुलेर ने देश की कूटनीतिक और सैन्य स्थिति स्पष्ट की : प्रत्यक्ष संघर्ष से इनकार : रक्षा मंत्री ने कहा कि तुर्की, हूती विद्रोहियों के साथ किसी भी तरह के प्रत्यक्ष सैन्य टकराव या युद्ध में उतरने पर विचार नहीं कर रहा है। केवल रक्षात्मक सहयोग : उन्होंने रेखांकित किया कि सऊदी अरब को दी जाने वाली किसी भी संपादित तुर्क सैन्य सहायता का मुख्य उद्देश्य केवल सऊदी अरब की प्रतिरोधक एवं रक्षात्मक क्षमता (डिटरेंस) को मजबूत करना होगा, न कि किसी आक्रामक अभियान का हिस्सा बनना। तुर्की, सऊदी अरब और पाकिस्तान के बीच अगस्त माह में ऐतिहासिक ‘मक्का संयुक्त रक्षा समझौते’ पर हस्ताक्षर किए गए थे : सामूहिक सुरक्षा का प्रावधान : इस समझौते के प्रमुख नियमों के तहत प्रावधान किया गया है कि तीनों सदस्य देशों में से किसी भी एक पर होने वाले बाहरी हमले को तीनों देशों पर संयुक्त हमला माना जाएगा।

फ्रांस में नस्ली नफरत का खूनी खेल; 15 मिनट में तीन जगह गोलीबारी, एक की मौत व बच्ची समेत 5 घायल

पेरिस , एजेंसी। फ्रांस की राजधानी पेरिस के नजदीक नस्ली भेदभाव से प्रेरित गोलीबारी की घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि 12 वर्षीय बच्ची समेत पांच लोग घायल हो गए। तीन घायलों की हालत गंभीर बताई गई है और उनकी जान को खतरा बना हुआ है। ट्रैम्स और ला वेरिएर कस्बों में करीब 15 मिनट के भीतर तीन अलग-अलग स्थानों पर गोलीबारी हुई। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने इसे नस्ली भेदभाव से प्रेरित आतंकवादी हमला बताया है। पुलिस ने घटना के 20 मिनट से भी कम समय में संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया। मामले की जांच राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी अभियोजक कार्यालय ने अपने हाथ में ले ली है। गोलीबारी की घटनाएं पेरिस से करीब 30 किलोमीटर दूर ट्रैम्स और ला वेरिएर कस्बों में हुईं। फ्रांस के गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज के अनुसार, लगभग 15 मिनट के भीतर तीन अलग-



आतंकवादी हमला बताया। पेरिस के पश्चिम में स्थित ट्रैम्स में अधिकारियों और स्थानीय निवासियों के साथ बैठक के बाद उन्होंने कहा कि संदिग्ध के बयानों से संकेत मिलता है कि उसने हमले की पहले से योजना बनाई थी। मैक्रों ने कहा कि लोगों को केवल



किया कि फ्रांस में ऐसी घटनाओं के लिए कोई जगह नहीं है। गृह मंत्री लॉरेंट नुनेज ने बताया कि संदिग्ध ने ट्रैम्स और ला वेरिएर में करीब 15 मिनट के भीतर तीन अलग-अलग स्थानों पर गोलीबारी की। उन्होंने कहा कि इस घटना में एक व्यक्ति की मौत हुई और

पांच अन्य घायल हो गए। घायलों में तीन की स्थिति गंभीर है। अधिकारियों के अनुसार, गोलीबारी ने इलाके में दहशत का माहौल पैदा कर दिया। नुनेज ने कहा कि हमलावर ने सुबह अंधाधुंध गोलियां चलाकर लोगों की जान ली। फ्रांस के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी अभियोजक कार्यालय के अनुसार, पुलिस ने गोलीबारी शुरू होने के 20 मिनट से भी कम समय में संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया। संदिग्ध की पहचान केवल केविन टी. के रूप में बताई गई है। अधिकारियों ने उसका पूरा उपनाम सार्वजनिक नहीं किया है। अभियोजक कार्यालय के बयान के अनुसार, संदिग्ध को पहले भी चार मामलों में दोषी ठहराया जा चुका था। घटना की गंभीरता और नस्ली भेदभाव से जुड़े संभावित उद्देश्य को देखते हुए फ्रांस के राष्ट्रीय आतंकवाद रोधी अभियोजक कार्यालय ने मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है।

भारत का मोस्ट वॉन्टेड गैंगस्टर हिमांशु भाऊ अमेरिका में गिरफ्तार

लास वेगास, एजेंसी। भारत की राष्ट्रीय जांच एजेंसी , दिल्ली पुलिस और हरियाणा पुलिस की मोस्ट वॉन्टेड सूची में शामिल कुख्यात गैंगस्टर हिमांशु भाऊ को अमेरिका में फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन ने गिरफ्तार कर लिया है। हरियाणा के रोहतक जिले के रिटौली गांव का मूल निवासी हिमांशु अमेरिका के लास वेगास में ठिकाना बनाकर वहीं से अपना आपराधिक सिंडिकेट संचालित कर रहा था। उस पर दिल्ली, हरियाणा, पंजाब और राजस्थान में हत्या, हत्या के प्रयास, रंगदारी और हथियारों की तस्करी जैसे 30 से अधिक गंभीर मामले दर्ज हैं। इसी कार्रवाई के दौरान एक अन्य भगोड़े अपराधी नीरज फरीदपुरिया को भी हिरासत में लिया गया है। इंटरपोल ने 2023 में जारी किया था रेड कॉर्नर नोटिस भारतीय सुरक्षा एजेंसियों के इनपुट पर इंटरपोल ने 2023 में हिमांशु भाऊ के खिलाफ ‘रेड कॉर्नर नोटिस’ जारी किया

था। उसकी गिरफ्तारी पर हरियाणा पुलिस ने 2.5 लाख रुपये और दिल्ली पुलिस ने 1 लाख रुपये का नकद इनाम घोषित कर रखा था। तकनीकी निगरानी और खुफिया सूचनाओं के आधार पर भारतीय एजेंसियों ने लास वेगास में उसकी सटीक लोकेशन ट्रैक कर अमेरिकी अधिकारियों के साथ साझा की, जिसके बाद गुरुवार शाम अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसी ने उसे धर दबोचा। बाल सुधार गृह से फरार होकर खड़ा किया अंतरराष्ट्रीय गिरोहमहज 24 वर्ष की आयु में अंतरराज्यीय अपराधी दुनिया में बड़ा नाम बने हिमांशु भाऊ का आपराधिक इतिहास इस प्रकार रहा है : सच्ची मंडी से शुरुआत : 17 वर्ष की उम्र में उसने रोहतक की सब्जी मंडी में व्यापारियों से जबरन वसूली कर जुर्म की राह चुनी। निरुद्ध होने के बाद हिमांशु वर्ष 2020 में हिसार के बाल सुधार गृह से करीब 20 बाल अपचारियों के साथ फरार हो गया था।

इशारों पर बैठते, खड़े होते और सोते 10 इंच के नन्हे रोबोट... एनवीडिया के मंच पर सीईओ हुआंग का कमाल

बर्लिन, एजेंसी। एनवीडिया के सीईओ जेनसन हुआंग के मुख्य भाषण में 21 अक्टूबर 2026 की शाम एक अनोखा नजारा देखने को मिला। बर्लिन में आयोजित जीटीसी बर्लिन कार्यक्रम के दौरान चार छोटे रोबोट मंच पर खुद चलकर पहुंचे और हुआंग के सामने कतार में खड़े हो गए।

माइक्रोडक नाम के इन नन्हे रोबोटों ने हुआंग के निर्देशों का पालन करते हुए उठने, बैठने और लेटने की कला दिखाई, जिसने तकनीक से भरे इस गंभीर सत्र को बेहद मनोरंजक बना दिया।

मंच पर हुआंग के निर्देश पर रोबोट्स की शरारतें प्रस्तुति के दौरान जेनसन हुआंग ने पहले सभी रोबोटों को बैठने और फिर खड़े होने का निर्देश दिया, जिसे उन्होंने तुरंत मान लिया। इसके बाद जब हुआंग ने उनसे कहा कि अब सोने का समय

हो गया है, तो तीन रोबोट तुरंत मंच पर लेट गए। चौथा रोबोट कुछ कदम



आगे बढ़ा और फिर अपने साथियों के पास जाकर लेट गया। रोबोट्स की इस मासूम हरकत को देखकर हुआंग हंस पड़े और उन्होंने ताली बजाते हुए चारों को फिर से खड़े होने के लिए कहा। क्या है माइक्रोडक रोबोट की खासियत? माइक्रोडक वास्तव में एक ओपन-सोर्स रोबोट प्लेटफॉर्म है,

जिसे हर्गिंग फेस और फ्रांस की



पोलन रोबोटिक्स ने मिलकर तैयार किया है। प्रत्येक रोबोट की ऊंचाई करीब 10 इंच है और इनका वजन 2 पाउंड से भी कम है। यह परियोजना मुख्य रूप से छात्रों और डेवलपर्स के लिए तैयार की गई है, ताकि वे मशीनों को नए शारीरिक कौशल सिखाना सीख सकें, उनमें जरूरी बदलाव कर सकें और अपने

प्रयोगों को पूरी दुनिया के साथ साझा कर सकें।

इन रोबोटों के निर्माण में एनवीडिया के आइजैक लैब, आइजैक सिम और न्यूटन फिजिक्स इंजन का उपयोग किया गया है। रोबोट्स के मंच पर आने से पहले जेनसन हुआंग ने एक वीडियो के जरिए समझाया कि कैसे एक एआई एजेंट ने माइक्रोडक को चलाना और निर्देश समझना सिखाया। एआई एजेंट ने सबसे पहले एक वर्चुअल ट्रेनिंग कोर्स तैयार किया और आइजैक सिम टूल की मदद से कंप्यूटर के अंदर रोबोट के डिजिटल दिव्यन का परीक्षण किया। इसके बाद रोबोट के सीखने की मुख्य प्रक्रिया एनवीडिया के क्लाउड सर्वरों और सुपरकंप्यूटरों पर पूरी की गई। क्लाउड में सफल प्रशिक्षण के बाद, नतीजों को एक त्रिज्ज स्पाक लैपटॉप पर परखा गया।

चीन की अर्थव्यवस्था में बड़ी कमजोरी; दुनिया पर कब्जे की रणनीति ट्रैगन पर पड़ रही भारी, निर्यात बढ़ा फिर भी कंपनियां घाटे में

बीजिंग, एजेंसी। चीन के औद्योगिक उत्पादन और निर्यात की ताकत दुनिया भर के देशों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। अमेरिका समेत कई देशों के नीति-निर्माताओं को आशंका है कि चीनी सामान की बाढ़ उनके घरेलू उद्योगों को नुकसान पहुंचा सकती है, रोजगार घटा सकती है और महत्वपूर्ण उत्पादों के लिए उन्हें चीन पर निर्भर बना सकती है। लेकिन चीन की औद्योगिक ताकत के पीछे एक विरोधाभास भी उभर रहा है। देश की कई फैक्ट्रियां बड़े पैमाने पर उत्पादन और निर्यात करने के बावजूद मुनाफा कमाने में नाकाम हो रही हैं। लंदन स्थित शोध संस्था कैपिटल इकोनॉमिक्स के अनुसार, चीन की उन औद्योगिक कंपनियों का अनुपात, जो घाटे में चल रही हैं, 2018 के मुकाबले दोगुना होकर इस साल 30 प्रतिशत तक पहुंच गया है। यानी औद्योगिक क्षेत्र की करीब हर तीन में से एक कंपनी नुकसान उठा रही है।

चीन की कंपनियों के लिए समस्या यह है कि निर्यात बढ़ने के बावजूद उनका घाटा जमा होता जा रहा है। उत्पादन और बाजार में हिस्सेदारी बढ़ाने की होड़ के बीच कई कंपनियां पर्याप्त मुनाफा नहीं कमा पा रही हैं। स्थानीय प्रशासन रोजगार बनाए रखने और

आर्थिक विकास के निर्धारित लक्ष्य पूरे करने के लिए घाटे में चल रहे उद्यमों को नियमित रूप से आर्थिक सहायता देता है।



इससे ऐसी कंपनियां भी कारोबार जारी रख पाती हैं, जिन्हें सामान्य बाजार परिस्थितियों में बंद होना पड़ सकता था। इस व्यवस्था का एक उल्टा असर सामने आ रहा है। चीन को मजबूत और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से तैयार की गई औद्योगिक नीति अब उसकी अर्थव्यवस्था को दूसरे देशों की नीतियों के प्रति अधिक संवेदनशील बना रही है। जब विदेशी बाजार चीनी उत्पादों पर शुल्क बढ़ाते हैं या आयात सीमित करते हैं, तो निर्यात पर निर्भर कंपनियों के लिए मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। चीन की सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की आर्थिक

प्राथमिकताओं में कंपनियों का मुनाफा हमेशा सबसे ऊपर नहीं रहा है। देश के आर्थिक योजनाकारों का मानना रहा है कि विशाल विनिर्माण क्षेत्र राष्ट्रीय सुरक्षा, तकनीकी प्रगति, राजनीतिक स्थिरता और वैश्विक प्रभाव के लिए जरूरी है। इसी सोच के तहत कारखानों से होने वाले उत्पादन, निर्यात और रोजगार को निवेश पर मिलने वाले वित्तीय लाभ से अधिक महत्व दिया जाता रहा है। इस रणनीति के कारण चीन की अर्थव्यवस्था में ऐसी कंपनियों की मौजूदगी लंबे समय से बनी हुई है, जिन्हें जॉम्बो कंपनियां कहा जाता है। ये ऐसी कंपनियां होती हैं, जो प्रभावी रूप से दिवालिया होने की स्थिति में पहुंच चुकी होती हैं, लेकिन कर्ज देने वाले संस्थानों और अन्य वित्तीय सहायता के सहारे अपना कारोबार जारी रखती हैं। ऐसी कंपनियों के बने रहने से रोजगार और उत्पादन को तत्काल सहाय मिल सकता है, लेकिन लंबे समय तक संसाधनों का इस्तेमाल कम उत्पादक उद्यमों में होता रहता है। इससे नई और अधिक कुशल कंपनियों के लिए प्रतिस्पर्धा करना भी कठिन हो सकता है। चीन की विशाल उत्पादन क्षमता उसे वैश्विक बाजारों में मजबूत स्थिति देती है। कारों, चिप और अन्य औद्योगिक उत्पादों के निर्यात से उसकी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति बढ़ती है।

ताइपे, एजेंसी। ताइवान में चक्रवात चांपी ने ऐसा कहर बपाया कि तेज हवाओं के सामने लोगों का सड़क पर खड़े रहना भी मुश्किल हो गया। ताइवान के आपातकालीन अधिकारियों के अनुसार, चक्रवात के कारण एक व्यक्ति की मौत हुई। दक्षिणी ताइवान के पिंगतुंग काउंटी में एक व्यक्ति समुद्र की लहरों में बह गया था। वहीं, घायलों की संख्या 500 से अधिक बताई गई है। राजधानी ताइपे में एक राहगीर को हवा का तेज झोंका पैरों से उखाड़कर गिराता दिखाई दिया। इस घटना का वीडियो इंटरनेट पर तेजी से प्रसारित हो रहा है। स्थानीय मौसम विभाग के अनुसार, ग्रेटर ताइपे में हवाओं के झोंकों की रफ्तार 110 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई, जबकि तटीय इलाकों में यह 227 किलोमीटर प्रति घंटे तक दर्ज की गई। तूफान के कारण एक व्यक्ति की मौत हो गई और 500 से अधिक लोग घायल हुए हैं। चक्रवात के कारण अब तक एक व्यक्ति की मौत और 500 से अधिक लोगों के घायल होने की

खबर है। हालात को देखते हुए



इमारतों के बीच बने ऐसे गलियारों में हवा के झोंके पैदल

स्कूलों, कार्यालयों और उड़ानों का संचालन भी प्रभावित हुआ। **125 किलोमीटर प्रति घंटे की हवाएं** — स्थानीय मौसम प्रशासन के अनुसार, ग्रेटर ताइपे क्षेत्र में हवा के झोंकों की रफ्तार 110 से 130 किलोमीटर प्रति घंटे के बीच दर्ज की गई। तटीय क्षेत्रों में स्थिति और गंभीर रही, जहां हवा की अधिकतम रफ्तार 227 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच गई। तेज हवाओं के बीच ऊंची इमारतों के आसपास हवा का दबाव और उसका प्रवाह अचानक बदल सकता है।

चलने वालों का संतुलन बिगाड़ सकते हैं। ताइपे में राहगीर के हवा के साथ उड़ने और गिरने का वायरल वीडियो इसी खतरे की निशानी है। वीडियो में एक व्यक्ति तेज हवा के सामने खुद को संभालने की कोशिश करता दिखाई देता है, लेकिन हवा का जोर उसे पैरों से उखाड़कर नीचे गिरा देता है। सामान्य परिस्थितियों में 125 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से चलने वाली हवा की कल्पना करना मुश्किल है, लेकिन ऐसी गति के झोंके खुले में खड़े लोगों के लिए गंभीर खतरा पैदा कर सकते हैं।

2 डॉलर में बेचता था डाक टिकट, पाकिस्तानी शख्स पर यूएसपीएस को 1,190 करोड़ रुपये का चूना लगाने का आरोप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी डाक सेवा को 126 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,190 करोड़ रुपये से अधिक का कथित नुकसान पहुंचाने के मामले में पाकिस्तान के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। उस पर फर्जी पोस्टेज लेबल बेचने वाली वेबसाइट संचालित करने का आरोप है, जिसके जरिए ग्राहकों को कम कीमत पर पार्सल भेजने के लिए नकली लेबल उपलब्ध कराए जाते थे। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 33 वर्षीय फहीम अकरम के रूप में हुई है। वह पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रान्त के खानेवाल का निवासी है। न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के मुताबिक, पाकिस्तानी अधिकारियों ने कई सप्ताह तक देश के अलग-अलग हिस्सों में तलाशी अभियान चलाया, जिसके बाद मंगलवार को उसे हिरासत में लिया गया। पाकिस्तान की नेशनल साइबर क्राइम इन्वेस्टिगेशन एजेंसी के वरिष्ठ अधिकारी

आतिफ अमीर ने पत्रकारों को आरोपी की गिरफ्तारी दी। वहीं, अमेरिका के प्लोरिडा स्थित दक्षिणी जिले के अर्टौनी कार्यालय के अनुसार, एक संघीय ग्रैंड ज्यूरी ने भी फहीम अकरम के खिलाफ आरोप तय किए हैं। हालांकि ये आरोप हैं और अदालत में दोष साबित होना बाकि है। **कैसे काम करता है यह फर्जीवाड़ा ?** अमेरिकी अभियोजकों के मुताबिक, फहीम अकरम नाम की वेबसाइट संचालित करता था। आरोप है कि वह वेबसाइट के माध्यम से उसने 5,200 से अधिक ग्राहकों को 51 लाख से ज्यादा फर्जी डाक लेबल बेचे। रिपोर्ट के अनुसार, वेबसाइट पर हर लेबल की कीमत करीब 2 डॉलर यानी लगभग 189 रुपये रखी गई थी। पार्सल का वजन, आकार या उसे कहाँ भेजना है, इससे कीमत पर कोई फर्क नहीं पड़ता था। इस वजह से ग्राहक आधिकारिक डाल शुल्क के मुकाबले काफी



कम पैसे देकर अपने पार्सल भेज पा रहे थे। बताया जा रहा है कि इन नकली लेबलों के जरिए भेजे गए पार्सल को अमेरिकी डाक सेवा ने निर्धारित डाक शुल्क प्राप्त किए बिना ही



प्रोसेस किया और डिलीवर किया। इससे डाक सेवा को भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ा। अमेरिकी डाक सेवा को हुआ यह कथित नुकसान 126 मिलियन डॉलर यानी करीब

1,190 करोड़ रुपये से अधिक आंका गया है। हालांकि, यह रकम यूएसपीएस को हुए अनुमानित नुकसान को दर्शाती है, न कि वेबसाइट के जरिए फहीम अकरम की कुल कमाई को। आतिफ अमीर के मुताबिक, जांच के दौरान अधिकारियों को पता चला कि फहीम अकरम अगस्त 2023 से सितंबर 2026 तक कथित तौर पर इस वेबसाइट का संचालन कर रहा था। इस पूरे कामकाज से जुड़े लेन-देन के लिए उसने कथित तौर पर 16 अलग-अलग बैंक खातों का इस्तेमाल किया। जांच में सामने आया कि इन खातों में अकरम के निजी खातों के साथ-साथ उसके परिवार के सदस्यों के खाते भी शामिल थे। इनमें उसके भाई, पत्नी, बहन और चाची या बुआ के खाते होने की बात कही गई है। अकरम को गिरफ्तार करने से पहले पाकिस्तानी अधिकारियों ने मामले की जांच के तहत देश के विभिन्न इलाकों में

छापेमारी और तलाशी अभियान चलाया था। फहीम अकरम को अमेरिका प्रत्यर्पित किया जाएगा या उसके खिलाफ पाकिस्तान में ही कानूनी कार्रवाई होगी, इस बारे में अधिकारियों ने अभी तक कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। अमेरिका में दाखिल आरोप-पत्र के मुताबिक, अकरम पर कथित तौर पर एक अनधिकृत ऑनलाइन प्लेटफॉर्म चलाने का आरोप है। इस वेबसाइट के जरिए हजारों ग्राहकों को ऐसे फर्जी शिपिंग लेबल बेचे जाने का दावा किया गया है, जिनकी कीमत आधिकारिक डाक शुल्क से काफी कम थी। यह मामला अमेरिकी डाक सेवा) को 126 मिलियन डॉलर यानी करीब 1,190 करोड़ रुपये से अधिक के कथित वित्तीय नुकसान से जुड़ा है। हालांकि, अकरम पर लगाए गए आरोपों की साबित नहीं हुए हैं और उसकी दोषसिद्धि का फैसला अदालत में कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही होगा।

हिंदी बोलने के लहजे की आलोचना पर बोलीं रश्मिका मंदाना

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना हाल ही में अपने पति और चर्चित एक्टर विजय देवरकोंडा के साथ करण जीहर के शो 'कॉफी विद करण सीजन 9' में पहुंचीं। इस दौरान उन्होंने साउथ इंडियन एक्सेंट को लेकर होने वाली अपनी आलोचनाओं पर बात की। अभिनेत्री ने कहा कि वे ऑनलाइन होने वाली ट्रोलिंग को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी।

रश्मिका मंदाना ने क्या कहा? रश्मिका मंदाना ने अपने हिंदी एक्सेंट की आलोचनाओं पर जवाब देते हुए कहा है कि उनसे यह उम्मीद करना गलत है कि वे साउथ इंडियन न लगे। वे इस इलाके से आती हैं। अभिनेत्री ने कहा कि वे अपनी डायलॉग डिलीवरी पर टिप्पणियों को अपनी भाषा या फिल्म इंडस्ट्री चुनने में रुकावट नहीं बनने देंगी। रश्मिका ने कहा कि उन्हें समझ नहीं आता कि साउथ इंडियन एक्सेंट को प्रॉब्लम क्यों माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मुझे इससे कोई खास दिक्कत नहीं थी, क्योंकि उन्होंने कहा कि मेरा साउथ इंडियन एक्सेंट है, लेकिन मैं साउथ इंडिया से हूँ। इसलिए मेरा एक्सेंट तो होगा ही। इसके अलावा कुछ और सोचना गलत है।' अभिनेत्री ने कहा कि अगर

कोई डायरेक्टर यह मानता है कि किसी दूसरे आर्टिस्ट की आवाज किसी किरदार पर ज्यादा सुट करेगी तो उन्हें कोई दिक्कत नहीं होगी। हालांकि, उनके डायरेक्टरों ने अब तक यही पसंद किया है कि वह खुद के लिए डब करें। बोली - एक इंडस्ट्री तक सीमित नहीं रहना रश्मिका ने कहा कि उनके पूरे करियर में उनकी परफॉर्मेंस, एक्टिंग, भाषा और एक्सेंट को लेकर आलोचनाएं होती रही हैं। वे नहीं चाहती कि ऐसे रिएक्शन उनकी चोइस को लिमिट करें। उन्होंने कहा, 'जब से मैंने फिल्म इंडस्ट्री में काम करना शुरू किया है, तब से मेरी किसी न किसी चीज के लिए आलोचना होती रही है, चाहे वह मेरी परफॉर्मेंस हो, भाषा हो, एक्टिंग हो, एक्सेंट हो या कुछ भी हो। मैं कभी खुद पर कोई रुकावट नहीं डालना चाहती थी। मैं सिर्फ एक इंडस्ट्री में काम नहीं करना चाहती थी। मैं सभी का हिस्सा बनना चाहती हूँ। सिर्फ एक भाषा नहीं बोलना चाहती, सभी भाषाएं बोलना चाहती थीं'।

05 फरवरी को दस्तक देगी हर्षवर्धन राणे की आगामी फिल्म

नए साल में हर्षवर्धन राणे के नए तेवर देखने को मिलने वाले हैं। हाल ही में उनकी फिल्म 'पुलिस कंपनी' की रिलीज डेट का एलान किया गया था। यह फिल्म अगले साल जून में दस्तक देगी। इस बीच एक और फिल्म की रिलीज डेट सामने आ गई है। अभिनेता की आगामी फिल्मों की लिस्ट में 'सिला' का नाम भी शामिल है।

कब रिलीज होगी हर्षवर्धन की 'सिला'? हर्षवर्धन राणे की फिल्म 'सिला' एक्शन से भरपूर एक रोमांटिक फिल्म है। आज इस फिल्म का पोस्टर रिलीज हुआ है, जिसमें हर्षवर्धन इंटेस लुक में नजर आ रहे हैं। यह अगले साल मोहब्बत वाले महीने यानी फरवरी में रिलीज होगी। पोस्टर के जरिए मिली जानकारी के मुताबिक, यह फिल्म 05 फरवरी 2027 को रिलीज होने वाली है।

कल्पना से भी परे होगी कहानी फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए मेकर्स ने इसकी कहानी को लेकर संकेत दिया है। यह सस्पेंस और थ्रिलर से भरपूर एक्शन-रोमांटिक फिल्म होगी। पोस्टर के साथ कैप्शन लिखा है, 'किस्मत से परे प्यार। हृदय से परे एक सफर और कल्पना से भी परे एक कहानी।' 'सिला' की तलाश शुरू।

कौन-कौन होगा फिल्म का हिस्सा बता दें कि फिल्म 'सिला' का निर्देशन उमंग कुमार ने किया है। इसमें 'बिग बॉस 18' के विजेता करण वीर मेहरा भी नजर आने वाले हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे फिल्म में नेगेटिव रोल में नजर आएंगे। 'सिला' फिल्म में हर्षवर्धन को विराट नाम के किरदार में देखा जाएगा। वहीं, सादिया खतीब भी फिल्म का हिस्सा हैं।

दिल्या दत्ता ने किया मनोज बाजपेयी का समर्थन

अभिनेता मनोज बाजपेयी ने पुलिस का समर्थन करते हुए कहा था कि किसी भी व्यक्ति को उसके पेशे के आधार पर जज नहीं करना चाहिए। उनकी इस बात से अब अभिनेत्री दिल्या दत्ता ने भी सहमति जताई। अभिनेत्री ने आईएनएस के साथ बातचीत में कहा कि हर पेशे में अलग-अलग तरह के लोग होते हैं, सभी को एक जैसा नहीं समझना चाहिए। उन्होंने कहा, 'मनोज बाजपेयी ने बहुत अच्छे से इस बात को कहा है कि हमें किसी के पेशे के आधार पर उस इंसान को जज नहीं कर सकते, जब तक हम उसे अच्छे से नहीं जान जाते हैं। हर किसी का सोचने और लोगों को देखने का तरीका अलग होता है।' अभिनेत्री ने यह भी माना कि हर इंसान अवसर सकारात्मक चीजों की ओर आकर्षित होने के बजाय नकारात्मक चीजों की ओर ज्यादा जाता है। उन्होंने कहा, 'हर प्रोफेशन में हर तरह के लोग मिलते हैं लेकिन हम हमेशा यही करते हैं कि नकारात्मक बातों को जल्दी पकड़ लेते हैं और सकारात्मक बातों को छोड़ देते हैं। तो मुझे लगता है कि हमें इसे जैसे है, वैसे ही रहने देना चाहिए।' दरअसल, अभिनेता ने हाल ही में आईएनएस के साथ बातचीत में टाइगर श्रॉफ पर हुए फायरिंग हमले और मुंबई-दिल्ली में हुए सीजेपी विरोध प्रदर्शन के बाद पुलिस की हो रही आलोचना पर अपनी बात रखी थी। बातचीत में मनोज बाजपेयी ने कहा था कि कुछ लोगों की वजह से पूरे प्रोफेशन की छवि खराब नहीं होनी चाहिए।

फिल्म 'प्रताप' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं ईशा देओल

ईशा देओल, फिल्म 'प्रताप' के साथ बड़े पर्दे पर वापसी करने के लिए तैयार हैं। प्रदीप रंगवानी और यूवी फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इस आगामी एक्शन ड्रामा के निर्माताओं ने ईशा देओल का कैरेक्टर पोस्टर जारी किया है, जिसमें वह पूनम के किरदार में नजर आ रही हैं। पूनम की कहानी जीवन में आने वाले अप्रत्याशित मोड़ों, आत्मखोज और मुश्किल हालात में सामने आने वाली अंदरूनी ताकत को दर्शाने का वादा करती है। पूनम के लिए उसका परिवार ही उसकी पूरी दुनिया है और उसने अपनी जिंदगी उन रिश्तों और विश्वास के आधार पर बनाई है, जो उसके लिए सबसे ज्यादा मायने रखते हैं। लेकिन तब क्या होता है, जब जिस सच्चाई पर उसने हमेशा भरोसा किया, वही बिखरने लगती है? ऐसे हालात का सामना करते हुए, जो उसके विश्वास और सोच को चुनौती देते हैं, पूनम को अपने पैरों पर खड़े होकर उस ताकत को पहचानना होगा, जिससे वह अब तक अनजान थी। हालांकि, उसके सफर से जुड़ी ज्यादा जानकारी अभी सामने नहीं आई है, लेकिन उसका किरदार एक ऐसे भावनात्मक बदलाव की ओर इशारा करता है, जो उसकी अब तक की पहचान से कहीं आगे जाती है।



बिग बॉस 20 में इमोशनल नजर आई माही विज

अभिनेत्री माही विज रियलिटी शो 'बिग बॉस-20' में एक इमोशनल मोमेंट में अपनी बेटी तारा को लेकर काफी भावुक होती दिखाई। इस दौरान उन्होंने बेटी की परवरिश, उसके सुरक्षित भविष्य और अपनी सिंगल मदर की जर्नी के बारे में खुलकर बात की। साथ ही, माही ने जय भानुशाली से तलाक के दौरान एलिमिनी न लेने के अपने फैसले का भी जिक्र किया। शो के दौरान माही विज ने बताया कि उनकी पूरी जिंदगी अपनी बेटी के ईर्द-गिर्द घूमती है और वो खुद अपने दम पर उसके लिए सिक्वोर फ्युचर बनाना चाहती हैं। माही ने कहा, 'मैं सिंगल मदर हूँ और मैं ही जानती हूँ कि मेरा पूरा दिन यहां पर कैसे गुजरता है। जय अक्सर मुझे बाहर जाने और अपनी जिंदगी जीने के लिए कहता रहता है। वो कहता है, 'तुम बाहर जाया करो, तुम कहीं जाती ही नहीं हो। तुम तारा के लिए घर में ही बेठी रहती हो।' मेरी पूरी जिंदगी मेरी बच्ची के ईर्द-गिर्द घूमती है।' माही ने रोते हुए यह भी बताया कि तलाक के दौरान जज ने उनसे 4 बार कहा था कि वो जय भानुशाली से गुजारा भत्ता (एलिमिनी) ले लें लेकिन उन्होंने लेने से मना कर दिया। उनका मानना है कि वह पैसे उनके पति व अभिनेता जय की मेहनत की कमाई है। उन्होंने कहा, 'पता है? मैंने एक भी रुपया एलिमिनी नहीं लिया लेकिन फिर भी, मैं किसी से भी पैसे नहीं मांगती, जय से भी नहीं। मुझे लगता है कि वो

उसकी मेहनत की कमाई है। मैं कोर्ट में खड़ी थी और जज ने मुझसे चार बार एलिमिनी लेने के लिए कहा था और मैंने लेने से इनकार कर दिया था क्योंकि मैंने देखा है कि जय ने कितनी मेहनत से वो पैसे कमाए हैं।' उन्होंने कहा, 'ऐसा नहीं है कि जय ने मुझे कुछ भी लेने के लिए मना किया है, मुझे पता है कि उसका पूरा लॉकर मेरे लिए खुला रहता है लेकिन फिर भी मेरा मन रुपये लेने के लिए नहीं करता है। उसने इतने रुपये कमाने के लिए बहुत मेहनत की है, वो सेंट पर 16-16 घंटे खड़े होकर काम करता रहता है। ये उसकी मेहनत की कमाई है।' बता दें कि ये पूरी बात तब शुरू हुई जब माही का अरिश्ता के साथ झगड़ा हुआ। दरअसल, माही ने अरिश्ता और काजी के झगड़े में काजी का साथ दिया था। इसके बाद अरिश्ता ने गुरसे में आकर कनिका, गुल्लू और माही के बिस्तर पर पानी गिरा दिया था क्योंकि उन्होंने उसे घर से बेघर करने के लिए नॉमिनेट किया था। माही ने कहा कि वो सच में अरिश्ता से आराम से बात करके सारे मतभेद खत्म करना चाहती थीं। उन्होंने बताया कि वो हमेशा अरिश्ता को अपनी छोटी बेटी तारा की तरह देखती हैं लेकिन उन्हें लगता है कि अरिश्ता बहुतमीजी करती हैं और बार-बार उन्हें नीचा दिखाती हैं। अपनी बात कहते हुए माही रो पड़ीं, जिसके बाद युग, आसिफ और स्काउट उन्हें शांत करते नजर आए।

मनोज बाजपेयी ने बॉलीवुड को 'बुरे कर्मों' पर दिखाया आईना

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर मनोज बाजपेयी अपनी फिल्म 'गजब रात' को लेकर चर्चा में हैं। यह शुक्रवार, 23 अक्टूबर को रिलीज हो गई है। इसमें उनके साथ दिल्या दत्ता और श्रद्धा दास भी हैं। यह वही फिल्मों है, जो इसी साल फरवरी में अपने टाइटल 'घुसखोर पंडित' को लेकर विवादों में रही थीं। अब नए नाम के साथ फिल्म आई है। इस बीच मनोज बाजपेयी ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कलाकारों को एक ही तरह के किरदारों तक सीमित रखने की सोच पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री ने कई टैलेटेंट एक्टरों को सही मौके न देकर उनका टैलेट बर्बाद कर दिया। उन्होंने कहा कि यह इंडस्ट्री के 'बुरे कर्म' हैं, जो एक्टरों को तबाह कर देती हैं। खुद अपने बारे में उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिभा का 25 प्रतिशत हिस्सा ही अब तक इस्तेमाल हुआ है।

मनोज बाजपेयी ने इंडस्ट्री की सोच पर उठाए सवाल

'सत्या' जैसी फिल्मों में अपनी दमदार अदाकारी के लिए पहचाने जाने वाले मनोज बाजपेयी ने कहा कि हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में कई बेहतरीन कलाकारों को

एक ही तरह के किरदारों में बांधकर उनकी प्रतिभा का सही इस्तेमाल नहीं किया गया। उन्होंने इंडस्ट्री के 'बुरे कर्मों' का जिक्र करते हुए कहा, 'इस इंडस्ट्री में कई कलाकारों को स्टीरियोटाइप दिया जाता है, और ऐसा करके हमने कई बेहतरीन कलाकारों को बर्बाद कर दिया है। मैंने हमेशा कहा है कि इस इंडस्ट्री की बदनामी है और इसके सिर पर ऐसे महान कलाकारों को बर्बाद करने का बुरा कर्म है। सेट पर उन्हें कोई अहमियत न देकर, उनके किरदारों को सीमित करके और उनके साथ खराब बर्ताव करके उन्हें खत्म कर दिया गया। कई लोग तो बिना किसी पहचान के ही गुमनामी में खो गए।'।

मेरी प्रतिभा का केवल 25 प्रतिशत इस्तेमाल हुआ है

मनोज बाजपेयी का मानना है कि फिल्म निर्माता अब तक उनकी अभिनय क्षमता का पूरा इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं। अपनी प्रतिभा के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैंने हमेशा यही माना है कि मेरी अभिनय क्षमता का केवल 25 प्रतिशत ही इस्तेमाल हुआ है; अभी बहुत कुछ बाकी है। लेकिन मुझे लगता है कि यह एक कलाकार का लालच या उसकी भूख

है, और मुझे खुशी है कि मेरे अंदर अभी भी कुछ कर दिखाने की वह आग बाकी है।' मनोज के मुताबिक, एक कलाकार के अंदर हमेशा कुछ नया करने की चाह होती है। उन्हें खुशी है कि इतने लंबे करियर के बाद भी उनके अंदर बेहतर काम करने और नए किरदार निभाने का जुनून बना हुआ है।

कलाकारों के संघर्ष पर बोले मनोज बाजपेयी

मनोज बाजपेयी ने माना कि उन्होंने भी अपने करियर में इस तरह की सोच का सामना किया है और

इंडस्ट्री में टिके रहने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि यह बेचैनी पूरी तरह से समझ में आती है, क्योंकि हम आज भी काफी हद तक औपनिवेशिक मानसिकता से घिरे हैं और पदानुक्रम में बहुत विश्वास करते हैं। वह मुख्य अभिनेता है, वह मुख्य अभिनेत्री है, यह एक कैरेक्टर एक्टर है, यह एक सपोर्टिंग एक्टर है, इन्हीं आधारों पर हम एक पदानुक्रम तय कर देते हैं। मैं खुद इस दौर से गुजरा हूँ और मैंने व्यक्तिगत स्तर पर कई लड़ाइयां लड़ी हैं, लेकिन मुझे खुशी है कि जैसा कि दिव्या ने बिल्कुल सही कहा अब ऐसा नहीं है।'।

दर्शक अब कहानियों और किरदारों को बारीकी से समझते हैं

ओटीटी के प्रभाव पर बात करते हुए मनोज ने कहा, 'आज परिवार साथ बैठकर कंटेंट देख रहे हैं। वे बहुत बारीकी से चीजों को समझते हैं और उन पर विस्तार से बात करते हैं। उदाहरण के लिए, जब मैं किसी डीएम (डिस्ट्रिक्ट मजिस्ट्रेट) या उनके परिवार के साथ बैठता हूँ, तो वे जिस तरह से किसी किरदार और कहानी की बारीकियों पर चर्चा करते हैं, वह वाकई हैरान कर देने वाला होता है। उन्हें बिल्कुल पता होता है कि कहाँ क्या कमी रह गई। किसी भी क्रिटिक की समीक्षा सुनने के बजाय, मुझे इन आम दर्शकों की बातें सुनना कहीं ज्यादा अच्छा लगता है।' मनोज के मुताबिक, आज दर्शक फिल्मों और वेब सीरीज को पहले से ज्यादा ध्यान से देखते हैं। वे कहानियों और किरदारों की बारीकियों को समझते हैं और अपनी राय खुलकर रखते हैं।

‘मन की बात’ ऊर्जा, प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण का अनूठा मंच : विधायक अनुज शर्मा

कचना में ग्रामीणों व कार्यकर्ताओं के साथ विधायक ने सुना 139वां संस्करण; 12 वर्षों की सफ़ल यात्रा का हुआ स्मरण

‘वोकल फॉर लोकल’ से वैश्विक बाज़ार में चमके स्वदेशी उत्पाद; ग्रामीणों ने लिया स्थानीय उत्पादों को अपनाने का संकल्प

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ धरसीवा/रायपुर: धरसीवा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम कचना में विधायक अनुज शर्मा ने स्थानीय ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मासिक रेडियो कार्यक्रम ‘मन की बात’ का 139वां संस्करण सुना। इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने

कार्यक्रम को देशवासियों के लिए ऊर्जा, प्रेरणा और राष्ट्र निर्माण का सशक्त मंच बताते हुए कहा कि यह आयोजन जन-जन की सहभागिता का जीवंत दस्तावेज बन चुका है।

12 वर्षों की प्रेरक यात्रा और स्वदेशी की वैश्विक गुंज

कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ‘मन की बात’ की 12 वर्षों की सफ़ल यात्रा का उल्लेख करते हुए स्वच्छता, आत्मनिर्भरता, ई-संजीवनी और आयुष्मान आरोग्य मंदिर जैसी पहलों के प्रभाव को रेखांकित किया। उन्होंने ‘दूधपण्डु दूधह स्पण्डुछ’ पर जोर देते हुए बताया कि कैसे देश के स्थानीय उत्पाद अब अंतरराष्ट्रीय बाजारों में धाक जमा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने उदाहरण दिया कि बिहार के पूर्णिया का मखाना अब ग्रीस और



कर्नाटक के कलबुर्गी की अरहर दाल मालदीव तक निर्यात की जा रही है। वहीं, महाराष्ट्र के आदिवासी समुदाय के ‘शबरी नेचुरल्स’ द्वारा तैयार उत्पादों की पारंपरिक पैकेजिंग को जापान में प्रतिष्ठित ‘गुड डिजाइन अवार्ड’ से नवाजा गया है।

त्योहारों पर वंचितों को खुशियों में शामिल करने का आह्वान

प्रधानमंत्री ने देशवासियों से प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने, पर्यावरण संरक्षण को जीवनशैली का हिस्सा बनाने और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता देने की अपील की। आगामी दीपावली और छठ महापर्व का उल्लेख करते हुए उन्होंने आह्वान किया कि पर्वों के उल्लस में समाज के वंचित वर्ग को भी अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए, ताकि खुशियां हर घर तक पहुंच सकें।

ग्रामीणों ने लिया ‘वोकल फॉर लोकल’ का प्रण

विधायक अनुज शर्मा ने कहा, “प्रधानमंत्री जी के संदेश से स्पष्ट है कि स्वच्छता, आत्मनिर्भरता और ‘वोकल फॉर लोकल’ की भावना आज भारत के स्थानीय उद्योगों और किसानों की साख वैश्विक पटल पर स्थापित कर रही है। यह कार्यक्रम समाज के हर वर्ग को सीधे राष्ट्र निर्माण से जोड़ता है।” कार्यक्रम के उपरांत उपस्थित ग्रामीणों ने स्वदेशी अपनाने और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने का सामूहिक संकल्प लिया। इस दौरान प्रमुख रूप से सुनील शर्मा, गोपेश साहू, राबिन साहू, राजेंद्र विश्वकर्मा, सुरेश साहू, मयंक यादव सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, प्रबुद्धजन और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़ी भाषा छात्र संगठन ने स्मृति ईरानी से मिलकर छत्तीसगढ़ी व्याकरण की किताब किया भेंट



रायपुर। आज दिनांक 25/10/2026 को स्मृति ईरानी के अभनपुर में आयोजित मन की बात कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ी भाषा छात्र संगठन ने अपनी एक सूत्रीय मांग को लेकर छत्तीसगढ़ प्रभारी स्मृति ईरानी से मुलाकात कर अपनी मांग पत्र सौंपा और छत्तीसगढ़ की दुर्लभ किताब भी भेंट किया जिस पर स्मृति ईरानी ने जल्द ही कुशाभाऊ ठाकरे परिसर में छत्तीसगढ़ी भाषा में पढ़ाई और रोजगार को लेकर एक मीटिंग

करने की बात कही साथ में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय को भी छत्तीसगढ़ी व्याकरण की किताब भेंट कर छत्तीसगढ़ी को 1 से 12 वी तक पढ़ाने की मांग की इस पर मुख्यमंत्री जी ने भी सहमति दी है छत्तीसगढ़ी भाषा छात्र संगठन के प्रमुख जितेन्द्र कुमार साहू ने बताया कि यह मुलाकात बहुत ही अच्छे समय में और सही समय में हुआ है जब आगामी 1 नवम्बर को राज्य स्थापना की उत्सव मनाएंगे अगर उसमें 1 से

12 तक छत्तीसगढ़ी भाषा में पढ़ाई की घोषणा होती है तो यह उत्सव 3 करोड़ छत्तीसगढ़ियों के लिए दोगुना उत्साह बढ़ाएगा अब समय आ गया है जब छत्तीसढ़ी को स्कूलों में पढ़ाई कराए सरकार और छत्तीसगढ़ी पडिग्री धारी छात्रों को उसमें रोजगार दे छ इस प्रतिनिधि मण्डल में राजभाषा आयोग के पूर्व अध्यक्ष डॉ रामेंद्र नाथ मिश्रा, रमा जोशी, प्रभा जोशी, रेखा जोशी, और छात्र संगठन के प्रमुख जितेन्द्र कुमार साहू उपस्थित रहे ।

कालिदास महाविद्यालय में फ्रेशर्स पार्टी और फेयरवेल समारोह, विद्यार्थियों ने उत्साह से लिया हिस्सा



प्राचार्य आरपी सिंह ने विद्यार्थियों को अनुशासन, परिश्रम और लक्ष्य के प्रति समर्पण का दिया संदेश

जाहद अंसारी, सूरजपुर। प्रतापपुर। शासकीय कालिदास महाविद्यालय, प्रतापपुर में नवप्रवेशित विद्यार्थियों के स्वागत और अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों की विदाई के लिए प्रेक्षांश पार्टी एवं फेयरवेल समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। समारोह में आपसी सौहार्द, अपनत्व और उल्लस का माहौल रहा।

कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य आरपी सिंह सहित प्राध्यापकगण और बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस दौरान डॉ. अंकुश केरकेड्डा, अमोस तिकी, अंकिता कुजूर, कुसुमलता भगत, एलन एक्का, सुजीत पांडे, नरेश एवं मानकुंवर सहित अन्य शिक्षकगण मौजूद रहे।

विद्यार्थियों को दिया सफलता का मंत्र

समारोह को संबोधित करते हुए प्राचार्य आरपी सिंह ने कहा कि विद्यार्थी जीवन व्यक्तित्व निर्माण और भविष्य की नींव रखने का महत्वपूर्ण समय है। विद्यार्थियों को

शिक्षा के साथ अनुशासन, परिश्रम और सकारात्मक सोच को अपनाने हूए अपने लक्ष्य की दिशा में निरंतर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने नवप्रवेशित विद्यार्थियों को महाविद्यालय के शैक्षणिक अवसरों का लाभ उठाने तथा अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को अपने ज्ञान और संस्कारों से समाज एवं राष्ट्र के विकास में योगदान देने के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर शिक्षकों ने भी विद्यार्थियों को नैतिक मूल्यों, व्यक्तित्व विकास और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति जागरूक करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

आयोजन में विद्यार्थियों की रही अहम भूमिका

समारोह के दौरान नवप्रवेशित विद्यार्थियों का आत्मीय स्वागत किया गया, वहीं अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों को शुभकामनाओं के साथ विदाई दी गई। कार्यक्रम के सफ़ल आयोजन में छात्र आयोजक रिजवान, यशवंत पासवान एवं संजय प्रजापति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। आयोजकों ने व्यवस्थाओं और समन्वय में सक्रिय योगदान दिया। अंत में उपस्थित प्राचार्य, शिक्षकों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

स्वामी, मुदक, प्रकाशक, संपादक-शुभम वर्मा द्वारा मकान नंबर 411, देवनगर, आदिवासी छात्रावास के सामने, शिव शंकर होटल के पीछे महादेव घाट रायपुर, रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं छत्तीसगढ़ प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स अनंत विहार कालोनी, दलदल सिवनी मार्ग -मोवा रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित। (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिये जिम्मेदार) फोन:-9300870270, 9425520408 jantakegoth@gmail.com

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने मातृशक्तियों को माँ जतमई और घटारानी दर्शन के लिए किया खाना

गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर से भक्तिभाव के साथ यात्रा का शुभारंभ

धार्मिक यात्राएं आस्था, संस्कृति और सामाजिक सद्भाव को करती हैं प्रगाढ़ : विधायक पुरन्दर मिश्रा

तरुण बन्धोर- जनता के गोठ रायपुर: राजधानी के उत्तर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत शांति नगर कुंद्रा पारा की मातृशक्तियों का एक जत्था प्रसिद्ध देवी स्थल माँ जतमई एवं माँ घटारानी के पावन दर्शन हेतु खाना हुआ। क्षेत्रीय विधायक पुरन्दर मिश्रा ने गायत्री नगर स्थित श्री जगन्नाथ मंदिर परिसर से श्रद्धा व भक्तिभाव के साथ इस धार्मिक यात्रा का शुभारंभ कराया। विधायक पुरन्दर मिश्रा ने यात्रा पर प्रस्थान कर रही सभी श्रद्धालुओं की सुखद, सुरक्षित और मंगलमय यात्रा की कामना की।



उन्होंने माँ जतमई एवं माँ घटारानी के चरणों में नमन करते हुए क्षेत्रवासियों के जीवन में सुख, शांति, समृद्धि और उत्तम स्वास्थ्य की प्रार्थना की।

सांस्कृतिक जड़ों और सामाजिक एकजुटता को बल

इस अवसर पर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने कहा, “धार्मिक यात्राएं केवल आस्था का प्रकटीकरण नहीं हैं, बल्कि ये हमारी समृद्ध संस्कृति और आध्यात्मिक परंपराओं को सशक्त बनाती हैं। ऐसे पावन

आयोजनों से समाज में आपसी प्रेम, सद्भाव और एकजुटता की भावना और अधिक प्रगाढ़ होती है। साथ ही, यह जनमानस को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़े रखने और आध्यात्मिक चेतना के संचार में

अहम भूमिका निभाते हैं। यात्रा की रवानगी के दौरान मंदिर परिसर माता के जयकारों और भक्तिमय वातावरण से गुंज उठा। सभी मातृशक्तियों ने उत्साहपूर्वक धाम के लिए प्रस्थान किया।

पेंशनर्स की स्मृति ईरानी से गुहार: सरकार से दिलावाएं 10 माह से लंबित 2 प्रतिशत डीआर का एरियर, ताकि पेंशनर्स की दीपावली न हो फीकी

रायपुर। भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ, छत्तीसगढ़ के प्रांताध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने भारतीय जनता पार्टी की छत्तीसगढ़ प्रभारी एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी के दो दिवसीय रायपुर यात्रा पर आगमन का स्वागत करते हुए प्रदेश के पेंशनर्स एवं परिवार पेंशनर्स की लंबित महंगाई राहत (डीआर) का भुगतान कराने के लिए उनसे प्रभावी पहल करने की गुहार लगाई है। वीरेन्द्र नामदेव ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा जनवरी 2026 से घोषित 2 प्रतिशत महंगाई राहत की राशि छत्तीसगढ़ के पेंशनर्स को अब तक नहीं मिल पाई है। लगभग 10 माह से लंबित इस राशि के कारण पेंशनर्स आर्थिक नुकसान और निराशा का सामना कर रहे हैं। दीपावली जैसे सबसे बड़े त्योहार के अवसर पर भी उन्हें उनकी जायज राशि से वंचित रहना पड़ रहा है, जिससे अनेक वरिष्ठ नागरिकों और परिवार पेंशनर्स की खुशियां प्रभावित हो रही हैं। उन्होंने श्रीमती स्मृति ईरानी से आग्रह

किया है कि वे राज्य सरकार को आवश्यक सलाह एवं मार्गदर्शन देकर जनवरी 2026 से देय 2 प्रतिशत महंगाई राहत का 10 माह का लंबित एरियर सहित भुगतान तत्काल सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी पहल करें, ताकि प्रदेश के पेंशनर्स अपने परिवार और स्वजनों के साथ दीपावली का पर्व सम्मानपूर्वक एवं हर्षोल्लास से मना सकें। श्री नामदेव ने विश्वास व्यक्त किया कि श्रीमती स्मृति ईरानी वरिष्ठ नागरिकों की इस पीढ़ा को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार का ध्यान इस महत्वपूर्ण विषय की ओर आकृष्ट करेंगी। उनकी पहल से हजारों पेंशनर्स एवं परिवार पेंशनर्स को राहत मिल सकती है। जारी संयुक्त विज्ञापन में भारतीय राज्य पेंशनर्स महासंघ छत्तीसगढ़ से कार्यकारी प्रांताध्यक्ष जे पी मिश्रा, प्रदेश महामंत्री अनिल गोल्हानी, प्रवीण कुमार त्रिवेदी, संगठन मंत्री टी पी सिंह, संभागीय अध्यक्ष शैलेन्द्र सिन्हा रायपुर, राजेन्द्र कश्यप बिलासपुर, आर एन ताटी



जगदलपुर, बी एल गजपाल दुर्ग, गुरुचरण सिंह अंबिकापुर, के साथ साथ प्रदेश के विभिन्न जिलों के अध्यक्ष क्रमशः आर जी बोहरे रायपुर, खोडस राम कश्यप बलौदाबाजार भाटापारा, लखन लाल साहू गरियाबंद, डी के पाठक धमतरी, रिखीराम साहू महासमुंद, बी के वर्मा दुर्ग, डी आर गजेन्द्र बालोद, आई सी श्रीवास्तव, राजनांदांग, रामेंद्र तिवारी मोहला मानपुर अंबागढ़ चौकी, यवन कुमार डिंडोरे बेमेतरा, प्रकाश गुप्ता कबीरधाम,

देवदत्त दुबे खैरागढ़ छुईखदान गंडई, राकेश जैन बिलासपुर, परमेश्वर स्वर्णकार जांजीर चांपा, रमेश नंदे जशपुर, अभय शंकर गौराहा रायगढ़, देवनारायण साहू सारंगढ़, एम एल यादव कोरबा, आर ए शर्मा गौरेला पेंड्रा मरवाही, हरि प्रसाद मिश्रा सक्ती, भैया लाल परिहार मुंगेली, ओ पी भट्ट कांकेर, आर डी झाड़ी बीजापुर, एस एन देहारी नारायणपुर, एस के धातोड़े कोडगांव, रूपकुमार झाड़ी दंतेवाड़ा, शेख कासिमुद्दीन सुकमा, आनिथ्य कुमार बागची जगदलपुर, माणिक चंद्र अंबिकापुर, प्रेमचंद गुप्ता वैकुंठपुर, अनिल कुमार सिन्हा, बलरामपुर, संतोष ठाकुर सूरजपुर, अफ़्जो कुर्देशी मनेन्द्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर आदि ने कहा है कि पेंशनर्स को समय पर महंगाई राहत मिलना उनका जायज हक है और उम्मीद है कि श्रीमती स्मृति ईरानी के सकारात्मक हस्तक्षेप से लंबित डीआर के भुगतान का मार्ग प्रशस्त होगा।

प्रशासनिक अनदेखी! वर्षों से चारदीवारी का इंतजार, खतरे के बीच रह रहे आश्रम के बच्चे

प्रेम कुमार दुर्गम जिला ब्यूरो प्रमुख बीजापुर बस्तरभैरमगढ़/ बीजापुर। आदिम जाति कल्याण विभाग द्वारा संचालित बालक आश्रम आदेड़ (पेकरम) में बुनियादी सुविधाओं और सुरक्षा व्यवस्था की बदहाली खुलकर सामने आई है। विकासखंड भैरमगढ़ अंतर्गत आने वाले इस आश्रम में वर्षों बाद भी पक्की बाउंड्री वॉल का निर्माण नहीं हो सका है। स्थिति यह है कि आश्रम का मुख्य प्रवेश द्वार लोहे के पक्के गेट के बजाय टीन की चादरों और लकड़ियों के देसी जुगाड़ से खड़ा किया गया है। वहीं पूरे परिसर को केवल बछियों, जाली और हरे रंग के नेट के सहारे घेरा गया है।

सड़क पर वाहनों की आवाजाही, बच्चों की सुरक्षा पर संकट-

आश्रम परिसर के ठीक सामने से आवागमन का मुख्य मार्ग गुजरता है, जहां से दिन-रात तेज रफ्तार वाहन निकलते रहते हैं। चारदीवारी के अभाव में बच्चों के परिसर से बाहर निकलने पर किसी अप्रिय घटना या सड़क दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। इसके अलावा बाउंड्री न होने से खुले परिसर में मवेशी और आवारा जानवर बेरोकटोक घुस आते हैं, जिससे परिसर में गंदगी फैलती है।

प्रबंधन बेबस, नहीं हुआ समस्या का निराकरण- मिली जानकारी के अनुसार, आश्रम प्रबंधन द्वारा चारदीवारी निर्माण को लेकर संबंधित अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस पहल नहीं हुई। यदि यहाँ बाउंड्री वॉल का निर्माण हो जाता है, तो बच्चों के लिए सुरक्षित वातावरण तैयार होने के साथ-साथ परिसर के भीतर बागवानी और सब्जी उत्पादन जैसी गतिविधियां भी संभव हो सकेंगी।



सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर बालक-बालिका राज्य स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रेम निरंजन योगासन खेल संघ एवं योग लंगर समिति भिलाई के संयुक्त तत्वावधान में परमहंस स्वामी सत्यानंद सरस्वती की स्मृति में सातवीं सब-जूनियर, जूनियर एवं सीनियर बालक-बालिका राज्य स्तरीय योगासन खेल प्रतियोगिता का आयोजन भिलाई के सेक्टर-6 स्थित जगन्नाथ मंदिर परिसर में संपन्न हुआ इस प्रतियोगिता में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में एमएस आर्थो एवं अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. मानवेंद्र जंघेल कार्यक्रम की अध्यक्षता रिसाल नगर निगम के सभापति श्री केशव बंधोर उपस्थित



थे इस प्रतियोगिता में राज्य के अलग - अलग जिलों से 150 खिलाड़ियों ने विभिन्न आयु वर्गों में अपने योग कौशल का प्रदर्शन किया। इस

प्रतियोगिता में पाटन के 4 खिलाड़ियों ने भाग लिया जिसमें सब जूनियर बालिका आर्टिस्टिक सिंगल योग में अनन्या वर्मा ने तृतीय स्थान

प्राप्त कर ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किया 5+9 आयु वर्ग में बालक ट्रेडिशनल योगासन प्रतियोगिता में केशव सिंह सपहा ने गोल्ड मेडल प्राप्त किया।

15+20 आयु वर्ग में बालिका आर्टिस्टिक सिंगल में अंतरा साहू ने द्वितीय स्थान प्राप्त कर सिल्वर मेडल प्राप्त किया। (14+19) आयु वर्ग में

और ट्रेडिशनल योगासन में प्रथम स्थान प्राप्त किया कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया और बालिका सीनियर 19+27 आयु वर्ग में भूमिका साहू ने प्रथम स्थान प्राप्त कर गोल्ड मेडल प्राप्त किया जिसमे 4खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय योग प्रतियोगिता के लिए किया गया है।

कार्यक्रम में अंतर्राष्ट्रीय योग खिलाड़ी धीरेन्द्र कुमार वर्मा मुख्य प्रशिक्षक के रूप में उपस्थित रहे। खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने पर डॉ. दिनेश चंद्रवंशी (जिला आयुष अधिकारी) डॉ. अनिता साहू, योग गुरु श्री तुलाराम वर्मा, लालराम वर्मा, खिलेन्द्र साहू भारत लाल ताम्रकार, संतोष यादव आदि ने हर्ष व्यक्त किया।